वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 47 मंगलवार 21 जुलाई 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया साइबर सुरक्षा अभियान पोस्टर का विमोचन

आमजन की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता: भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को साइबर सुरक्षा अभियान पोस्टर का विमोचन करते हुए कहा कि वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का युग है। तकनीक ने जहां जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाया है, वहीं साइबर अपराध जैसी नई चुनौतियां भी सामने आई हैं।

साइबर अपराधियों के विरुद्ध राज्य सरकार सख्त

किसी भी संदिग्ध कॉल या संदेश के झांसे में न आएं

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि साइबर अपराधियों के विरुद्ध राज्य सरकार सख्ती से कार्य कर रही है। इसके लिए प्रदेशभर में साइबर अपराधियों की पहचान, गिरफ्तारी और उनके नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए व्यापक अभियान चलाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नवाचारों के माध्यम से साइबर अपराधियों के विरुद्ध लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। राज्य में राजस्थान साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (आर4सी) के माध्यम से साइबर अपराध की रोकथाम, अनुसंधान, तकनीकी समन्वय तथा विभिन्न एजेंसियों के मध्य त्वरित सूचना साझा करने के लिए अत्याधुनिक मंच बनाया जा रहा है। साथ ही, साइबर हेल्पलाइन 1930 एवं ऑपरेशन एंटीवायरस जैसे अभियानों के माध्यम से साइबर पीड़ितों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

किसी भी संदेहास्पद लिंक पर क्लिक न करें

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी संदेहास्पद लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी, बैंक विवरण अथवा पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें और किसी भी संदिग्ध कॉल या संदेश के झांसे में न आएं। उन्होंने कहा कि यदि कोई साइबर ठगी का शिकार होता है तो वह तत्काल हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करे अथवा राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि सुरक्षित नागरिक, सुरक्षित डिजिटल व्यवस्था और सुरक्षित राजस्थान का संकल्प राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भारतीय पुलिस सेवा में नव पदोन्नत अधिकारियों ने की राज्यपाल से मुलाकात

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से सोमवार को लोकभवन में राजस्थान पुलिस सेवा से भारतीय पुलिस सेवा में नव पदोन्नत हुए राजस्थान के अधिकारियों ने मुलाकात की। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। राज्यपाल बागडे ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देते हुए आम जन के लिए सेवा और समर्पण भाव के साथ ईमानदारी से कार्य करने का आह्वान किया।

जयपुर में जापानी संस्कृति की अनूठी झलक: मैग्नेटिक एक्सपीरियंसेज ने कराया विशेष सांस्कृतिक अनुभव

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी जयपुर में जापानी संस्कृति की खूबसूरती को जीवंत करते हुए मैग्नेटिक एक्सपीरियंसेज ने गिरिसदन होमस्टे में एक विशेष जापानी सांस्कृतिक अनुभव का आयोजन किया। इस अनूठे कार्यक्रम में जापानी व्यंजन, कला और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का आकर्षक संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मास्टरशेफ इंडिया की एप्रन होल्डर अल्पना द्वारा संचालित किंत्सुगी आर्ट वर्कशॉप रही। एक कलाकार के रूप में उन्होंने प्रतिभागियों को किंत्सुगी की पारंपरिक जापानी कला और उसके पीछे छिपे जीवन-दर्शन से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि किंत्सुगी केवल टूटी हुई वस्तुओं को जोड़ने की कला नहीं, बल्कि जीवन में आई टूटन को स्वीकार कर उसे और भी सुंदर तथा मूल्यवान बनाने की प्रेरणा देती है। इस अवसर पर अतिथियों ने Ash & Nori द्वारा तैयार प्रामाणिक जापानी सुशी का स्वाद लिया। साथ ही, जापान से आईं नोरी से संवाद कर जापानी संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों को करीब से जानने का अवसर भी प्राप्त किया। मैग्नेटिक एक्सपीरियंसेज की संस्थापक मोनी पाटनी ने कहा, ''हमारा उद्देश्य जयपुर में दुनिया की विभिन्न संस्कृतियों को ऐसे अनुभवों के माध्यम से प्रस्तुत करना है, जो लोगों को रचनात्मकता, नई सीख और सार्थक मानवीय रिश्तों से जोड़ें।'' उन्होंने बताया कि मैग्नेटिक एक्सपीरियंसेज हर सप्ताह नए और अनूठे अनुभवों के माध्यम से जयपुर में कला, संस्कृति, खान-पान और समुदाय को एक साझा मंच पर ला रहा है। यह पहल शहर की एक्सपीरियेंशियल लाइफस्टाइल को नई पहचान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

निवाई में आचार्य श्री सुन्दर सागर महाराज संघ का बैंड-बाजों के साथ भव्य मंगल पदार्पण

मंगल प्रवेश शोभायात्रा में मुकुटधारी धर्म प्रभावना महिला मंडल रहा आकर्षण का केंद्र

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य श्री 108 सुन्दर सागर महाराज संघ का 22 पिच्छिकाओं के साथ रविवार को निवाई में बैंड-बाजों एवं जयकारों के बीच भव्य मंगल पदार्पण हुआ। मंगल प्रवेश शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए तथा नगर का वातावरण धर्ममय हो गया। चातुर्मास समिति के प्रवक्ता विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि आचार्य श्री शनिवार को बनस्थली से विहार करते हुए रीको औद्योगिक क्षेत्र पहुंचे, जहां सत्यनारायण, विनोद कुमार, गिर्राज प्रसाद एवं महेश कुमार मोठूका परिवार ने पाद प्रक्षालन एवं पुष्पवर्षा कर अगवानी की। वहीं राजेन्द्र कुमार-दिलीप कुमार बगड़ी तथा अशोक कुमार-ललित कुमार सिरस परिवार को भी चरण प्रक्षालन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सरावगी समाज युवा परिषद के मनोज पाटनी एवं त्रिलोक रजवास ने बताया कि बनस्थली मोड़ से बैंड-बाजों के साथ प्रारंभ हुई शोभायात्रा राधा दामोदर सर्किल पहुंची, जहां लालचंद-शुभम कठमाणा, ओमप्रकाश-राजेन्द्र कुमार कठमाणा परिवार तथा जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा ने चरण प्रक्षालन एवं आरती की। सरावगी समाज के अध्यक्ष शिखरचंद काला एवं मंत्री त्रिलोकचंद पांडया ने बताया कि शोभायात्रा जैन नसियां मंदिर, चौहट्टी बाजार और बिचला जैन मंदिर होते हुए बड़ा जैन मंदिर पहुंची, जहां आचार्य श्री ने भगवान पार्श्वनाथ के दर्शन किए। इसके बाद बड़ा बाजार, पाटनी कटला एवं अहिंसा सर्किल सहित विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया तथा अनेक परिवारों को पाद प्रक्षालन एवं आरती का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सरावगी युवा परिषद के अतुल ठोलिया एवं सौरभ सोगानी ने बताया कि शोभायात्रा का समापन श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में हुआ, जहां सभी संतों ने भगवान के दर्शन किए। इस अवसर पर नेमीचंद-संजय कुमार सिरस परिवार ने पाद प्रक्षालन तथा रमेशचंद-सुशील कुमार गिन्दोड़ी परिवार ने शास्त्र भेंट का सौभाग्य प्राप्त किया।

लायंस क्लब जयपुर आदर्श नगर ने किया वृक्षारोपण

जयपुर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब जयपुर आदर्श नगर की ओर से निर्माण नगर स्थित पद्मावती पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान करीब 250 फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में पीडीजी लायन अंजना जैन, रीजन चेयरपर्सन लायन उपमा सारस्वत तथा जोन चेयरपर्सन लायन रानी पाटनी की गरिमामयी उपस्थिति रही। क्लब के अध्यक्ष लायन सुरेन्द्र गुप्ता, सचिव प्रकाश जैन, कोषाध्यक्ष मनीष शर्मा सहित 70 से अधिक सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। क्लब अध्यक्ष लायन सुरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण केवल हरियाली बढ़ाने का प्रयास नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को हरा-भरा और सुरक्षित भविष्य देने का संकल्प है। इस अवसर पर लायन अजय सक्सेना ने बताया कि क्लब की महिला सदस्यों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक ''पेड़ बचाओ-जीवन बचाओ'' कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। वहीं लायन अल्पना श्रीवास्तव ने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित प्रेरणादायक गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान लायन वंदना शर्मा ने वर्षभर में 1,000 पौधे लगाने का संकल्प लिया। वहीं लायन योगेंद्र गुप्ता एवं लायन महेंद्र बैराठी ने क्लब द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक एवं सेवा कार्यों की सराहना करते हुए सदस्यों का उत्साहवर्धन किया।

भगवान महावीर का गर्भ कल्याणक एवं भगवान नेमीनाथ का मोक्ष कल्याणक धुलियान में श्रद्धापूर्वक मनाया गया

धुलियान (मुर्शिदाबाद). शाबाश इंडिया

श्री 1008 भगवान महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, धुलियान में 19 जुलाई 2026 को भगवान महावीर स्वामी का गर्भ कल्याणक महोत्सव श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से गर्भ कल्याणक अर्घ्य समर्पित कर भगवान महावीर का स्मरण किया। इसी दिन धुलियान में समाधिस्थ आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज की धर्म प्रभावना से संबंधित धर्म प्रभावना रथ हीरापुर (सागर) से धुलियान पहुंचा। श्रद्धालुओं ने रथ के दर्शन कर धर्म प्रभावना का संदेश ग्रहण किया। इसके अगले दिन 20 जुलाई 2026 को भगवान नेमीनाथ के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर विशेष धार्मिक आयोजन किए गए। श्रद्धालुओं ने गिरनार पर्वत की पांचवीं टोंक स्थित ऊर्जयंत कूट से भगवान नेमीनाथ के मोक्ष की स्मृति में निर्वाण लड्डू अर्पित कर पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने श्रद्धाभाव से यह अर्घ्य मंत्र भी उच्चारित किया

''ॐ ह्रीं श्री नेमीनाथ जिनेन्द्राय, गिरनार पर्वत के पांचवें टोंक स्थित ऊर्जयंत कूट से मोक्ष प्राप्त करने वाले प्रभु के चरणारविंद में अनर्घ्य पद की प्राप्ति के लिए अर्घ्य निर्वपामीति स्वाहा।'' मंदिर में आयोजित दोनों धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान महावीर एवं भगवान नेमीनाथ के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की तथा धर्म लाभ प्राप्त किया।

बिखरते रिश्ते, सिमटते परिवार

आधुनिकता की दौड़ में खोती संयुक्त परिवार व्यवस्था

सत्य भूषण शर्मा. शाबाश इंडिया

आज का युग विज्ञान, तकनीक और आधुनिकता का युग है। जीवन की रफ्तार पहले से कहीं अधिक तेज हो चुकी है। इंसान सुविधाओं, धन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की तलाश में निरंतर आगे बढ़ रहा है, लेकिन इसी दौड़ में वह अपने सबसे बड़े सामाजिक आधार ''संयुक्त परिवार व्यवस्था'' से दूर होता जा रहा है। कभी भारतीय संस्कृति की पहचान माने जाने वाले संयुक्त परिवार आज धीरे-धीरे विघटन की ओर बढ़ रहे हैं। भारतीय समाज में संयुक्त परिवार केवल रहने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि यह प्रेम, संस्कार, सहयोग, त्याग और अपनत्व की एक जीवंत पाठशाला हुआ करता था। परिवार के बड़े-बुजुर्ग अनुभवों की धरोहर होते थे और बच्चे उन्हीं की छत्रछाया में संस्कार ग्रहण करते थे। परिवार के हर सदस्य का सुख-दुख साझा होता था। लेकिन बदलती जीवनशैली, बढ़ती महत्वाकांक्षाएं और भौतिकवादी सोच ने इस व्यवस्था की नींव को कमजोर कर दिया है। आज आर्थिक परिस्थितियों और रोजगार की मजबूरियों के कारण युवाओं को अपने घर-परिवार से दूर महानगरों की ओर जाना पड़ता है। नौकरी, व्यवसाय और आधुनिक सुख-सुविधाओं की चाह में व्यक्ति अलग घर बसाने को ही प्रगति का प्रतीक मानने लगा है। परिणामस्वरूप संयुक्त परिवार टूटकर छोटे-छोटे एकल परिवारों में बंटते जा रहे हैं। संयुक्त परिवारों के विघटन का एक बड़ा कारण पीढ़ियों के बीच बढ़ता वैचारिक अंतर भी है। बुजुर्ग जहां परंपराओं, संस्कारों और पारिवारिक मयार्दाओं को महत्व देते हैं, वहीं नई पीढ़ी आधुनिक सोच, स्वतंत्र जीवन और व्यक्तिगत निर्णयों को प्राथमिकता देती है। यही अंतर धीरे-धीरे मनमुटाव और दूरियों को जन्म देता है। आज के युवा अपने जीवन को अपनी शर्तों पर जीना चाहते हैं। वे किसी प्रकार का हस्तक्षेप पसंद नहीं करते। दूसरी ओर बुजुर्ग अपने अनुभवों के आधार पर बच्चों को सही दिशा देना चाहते हैं। कई बार यही समझाइश नई पीढ़ी को बंधन प्रतीत होती है। परिणामस्वरूप परिवारों में संवाद कम होता जाता है और रिश्तों में दरारें बढ़ने लगती हैं। भौतिक सुख-सुविधाओं की अंधी दौड़ ने भी पारिवारिक रिश्तों को प्रभावित किया है। आज व्यक्ति के लिए धन और सुविधा अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं, जबकि रिश्तों की गर्माहट और भावनात्मक जुड़ाव पीछे छूटते जा रहे हैं। स्वार्थ और अहंकार ने परिवारों की आत्मीयता को कमजोर कर दिया है। भाई-भाई, देवर-भाभी, ननद-भौजाई और अन्य रिश्तों में पहले जैसा अपनापन अब कम दिखाई देता है। आधुनिक मनोरंजन, सोशल मीडिया और पश्चिमी जीवनशैली का प्रभाव भी पारिवारिक मूल्यों को प्रभावित कर रहा है। परिवार के सदस्य एक ही घर में रहते हुए भी मोबाइल और आभासी दुनिया में इतने व्यस्त हो गए हैं कि आपसी संवाद और भावनात्मक संबंध कमजोर पड़ते जा रहे हैं। विशेष रूप से आधुनिक शिक्षित महिलाओं में आत्मनिर्भरता और स्वतंत्र जीवन की भावना तेजी से बढ़ी है, जो सकारात्मक परिवर्तन है। लेकिन कई बार सामंजस्य और धैर्य की कमी पारिवारिक विवादों को जन्म देती है। यदि परिवार के सभी सदस्य आपसी समझ, सम्मान और सहयोग की भावना बनाए रखें तो संयुक्त परिवार आज भी सफलतापूर्वक चल सकते हैं। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक सहारा नहीं होते, बल्कि वे भावनात्मक सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता भी प्रदान करते हैं। बच्चों को संस्कार, बुजुर्गों को सम्मान और युवाओं को मार्गदर्शन संयुक्त परिवारों में सहज रूप से प्राप्त होता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि आधुनिकता को अपनाते हुए भी हम अपनी पारिवारिक संस्कृति और मूल्यों को न भूलें। यदि रिश्तों में प्रेम, संवाद, त्याग और समझदारी बनी रहे, तो संयुक्त परिवारों की जड़ें फिर से मजबूत हो सकती हैं। आखिर परिवार केवल साथ रहने का नाम नहीं, बल्कि दिलों के जुड़ाव का नाम है।

– सत्य भूषण शर्मा
प्रवक्ता, पत्रकार, लेखक, कवि एवं यूट्यूबर
न्यू भूपालपुरा, उदयपुर (राजस्थान)
मो. 9414934304, 8619347334

राजनीति

संसद के सुचारू संचालन का खर्च और जवाबदेही

डॉ. पवन कुमार शर्मा

भारतीय संसद देश की संप्रभुता, लोकतांत्रिक मूल्यों और जन-आकांक्षाओं की सर्वोच्च संस्था है। यहां बनने वाले कानून करोड़ों नागरिकों के जीवन को प्रभावित करते हैं। ऐसे में संसद का सुचारू संचालन केवल राजनीतिक आवश्यकता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व भी है। पिछले कुछ वर्षों में सदन में बढ़ते व्यवधान और घटती उत्पादकता ने करदाताओं के धन के सदुपयोग तथा जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। संसद के संचालन पर प्रतिदिन बड़ी सार्वजनिक धनराशि खर्च होती है। इसमें सांसदों के वेतन-भत्ते, संसद भवन का रखरखाव, सुरक्षा व्यवस्था, सचिवालय, तकनीकी सेवाएं तथा अन्य प्रशासनिक व्यय शामिल हैं। विभिन्न बजटीय आकलनों के अनुसार संसद की कार्यवाही का प्रति मिनट और प्रति घंटे का खर्च अत्यधिक है। जब लगातार हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही स्थगित होती है और कोई विधायी कार्य नहीं हो पाता, तब यह व्यय प्रभावी परिणाम दिए बिना ही खर्च हो जाता है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या लगातार बाधित कार्यवाही के दौरान सांसदों के भत्तों की समीक्षा होनी चाहिए? इस विषय के दोनों पक्ष हैं। एक मत यह है कि अन्य क्षेत्रों की तरह संसद में भी 'नो वर्क, नो पे' का सिद्धांत लागू होना चाहिए। करदाताओं का तर्क है कि जब जनता के धन से सांसदों को दैनिक भत्ता और अन्य सुविधाएं मिलती हैं, तब बिना प्रभावी कार्य के उनका भुगतान नैतिक रूप से उचित नहीं माना जा सकता। इससे जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही बढ़ेगी और सदन के सुचारू संचालन को प्रोत्साहन मिलेगा। दूसरा पक्ष यह है कि संसदीय लोकतंत्र में विरोध और असहमति भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा हैं। कई बार विपक्ष का आरोप रहता है कि महत्वपूर्ण विषयों पर पर्याप्त चर्चा का अवसर नहीं मिलता, जिसके कारण वह विरोध का रास्ता अपनाता है। साथ ही सांसदों का दायित्व केवल सदन तक सीमित नहीं होता। वे संसदीय समितियों में कार्य करते हैं और अपने निर्वाचन क्षेत्रों की समस्याओं के समाधान में भी सक्रिय रहते हैं। इसलिए केवल उपस्थिति या हंगामे के आधार पर उनकी भूमिका का मूल्यांकन पर्याप्त नहीं माना जा सकता।

संपादकीय

वंदे मातरम् विधेयक : राष्ट्र गौरव की मजबूत नींव

संसद के मानसून सत्र के पहले दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा राज्यसभा में प्रस्तुत राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 ने देशभर में नई बहस छेड़ दी है। इस विधेयक का उद्देश्य राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गान 'जन गण मन' के समान कानूनी संरक्षण प्रदान करना है। प्रस्तावित प्रावधानों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रीय गीत का अपमान करता है, उसके गायन में बाधा उत्पन्न

करता है या अव्यवस्था फैलाता है, तो उसे तीन वर्ष तक के कारावास, जुर्माने अथवा दोनों का सामना करना पड़ सकता है। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा 1870 के दशक में रचित और 1882 में प्रकाशित उपन्यास आनंदमठ में शामिल 'वंदे मातरम्' स्वतंत्रता आंदोलन का प्रेरणास्रोत रहा है। 1905 के बंग-भंग आंदोलन से लेकर आजादी की लड़ाई तक यह गीत देशभक्ति, स्वाभिमान और विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष का प्रतीक बना रहा। 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद के माध्यम से 'जन गण मन' को राष्ट्रीय गान तथा 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत का दर्जा देते हुए दोनों को समान सम्मान देने की घोषणा की थी। हालांकि, 1971 के राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम में केवल राष्ट्रध्वज, संविधान और राष्ट्रगान को ही कानूनी सुरक्षा मिली। नया विधेयक इसी कमी को दूर करने का प्रयास माना जा रहा है। सरकार का तर्क है कि स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा रहे 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय सम्मान के अन्य प्रतीकों के समान संरक्षण मिलना चाहिए। इसके 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सरकार पहले ही आधिकारिक कार्यक्रमों में छह छंदों वाले संस्करण के गायन और वादन संबंधी दिशा-निर्देश जारी कर चुकी है। इन निर्देशों के अनुसार संयुक्त प्रस्तुति में पहले 'वंदे मातरम्' और उसके बाद 'जन गण मन' होगा तथा सभी उपस्थित लोगों को सावधान मुद्रा में खड़ा रहना होगा। सरकार का मानना है कि इससे राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक गौरव को नई मजबूती मिलेगी। दूसरी ओर विपक्ष और कुछ क्षेत्रीय दल इस विधेयक पर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि 'वंदे मातरम्' के पूर्ण संस्करण में देवी-देवताओं के उल्लेख के कारण कुछ समुदाय स्वयं को असहज महसूस कर सकते हैं। 1937 में कांग्रेस ने केवल पहले दो छंदों को सार्वजनिक उपयोग के लिए स्वीकार किया था। आलोचकों का मत है कि किसी भी प्रकार की अनिवार्यता धर्मनिरपेक्षता की भावना और व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर प्रश्न खड़े कर सकती है। कुछ राज्यों में इस मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन भी देखने को मिले हैं। इतिहास बताता है कि 'वंदे मातरम्' को लेकर मतभेद नए नहीं हैं। स्वतंत्रता से पूर्व भी इसके कुछ अंशों पर आपत्तियां उठी थीं। फिर भी यह गीत भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की अमूल्य विरासत और मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक माना जाता है। समर्थकों का कहना है कि संविधान के अनुच्छेद 51(क) के अनुसार राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान प्रत्येक नागरिक का मूल कर्तव्य है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

भारत की जीरो टॉलरेंस नीति

कांतिलाल मंडोत

आतंकवाद का स्वरूप समय के साथ तेजी से बदल रहा है। कभी सीमा पार से घुसपैठ, हथियारों की तस्करी और प्रशिक्षण शिविर इसकी पहचान थे, लेकिन डिजिटल युग में आतंकवादी संगठनों ने तकनीक को नया हथियार बना लिया है। अब मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से कट्टरपंथ फैलाने, भर्ती करने और आर्थिक सहायता जुटाने के प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की हालिया जांचों और विभिन्न मामलों में दायर आरोपपत्रों ने इस बदलते स्वरूप की गंभीरता को उजागर किया है। जांच एजेंसियों के अनुसार कई आतंकी मॉड्यूल तथाकथित ''थ्री-एप मॉडल'' पर काम करने का प्रयास कर रहे हैं। इसमें पहले सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क स्थापित किया जाता है, फिर एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर वैचारिक कट्टरता फैलाकर ब्रेनवॉश किया जाता है और अंत में क्रिप्टोकरेंसी के जरिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की कोशिश होती है। इंटरनेट ने आतंकवादी संगठनों के लिए दुनिया के किसी भी हिस्से में बैठे लोगों तक पहुंच आसान बना दी है। सामान्य धार्मिक या वैचारिक सामग्री से विश्वास जीतने के बाद युवाओं को बंद डिजिटल समूहों में जोड़कर उग्र विचारधारा से प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। एनआईए की जांच में सामने आए कई मामलों ने इस खतरे की गंभीरता स्पष्ट की है। तमिलनाडु, विजयवाड़ा और मंगलुरु से जुड़े मामलों में सोशल मीडिया, विदेशी हैंडलरों, एन्क्रिप्टेड संचार, विस्फोटकों से संबंधित सामग्री और क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से आर्थिक सहायता जैसे पहलू सामने आए हैं। हालांकि प्रत्येक मामले का अंतिम निष्कर्ष न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही तय होगा, लेकिन ये घटनाएं यह संकेत अवश्य देती हैं कि आतंकवाद का डिजिटल स्वरूप लगातार विकसित हो रहा है। सबसे अधिक चिंता इस बात की है कि इन नेटवर्कों का निशाना प्रायः 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के युवा होते हैं। सोशल मीडिया का व्यापक उपयोग करने वाले इस वर्ग तक पहुंचना अपेक्षाकृत आसान होता है। कई बार भावनात्मक या वैचारिक चर्चाओं के माध्यम से संपर्क स्थापित कर धीरे-धीरे कट्टर सोच की ओर प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। फर्जी वीडियो, परिवर्तित आवाज, नकली पहचान और एआई आधारित सामग्री इस चुनौती को और जटिल बनाती है, जबकि एन्क्रिप्टेड संचार और क्रिप्टो लेन-देन जांच एजेंसियों के लिए अतिरिक्त कठिनाइयां पैदा करते हैं। इन चुनौतियों के बावजूद भारत की सुरक्षा और जांच एजेंसियों ने अपनी तकनीकी क्षमता तथा समन्वय को लगातार मजबूत किया है। एनआईए, आतंकवाद निरोधी दस्ते, खुफिया एजेंसियां और साइबर विशेषज्ञ संदिग्ध डिजिटल गतिविधियों की निगरानी, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समयबद्ध कार्रवाई के माध्यम से अनेक साजिशों को विफल करने में सफल रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि सुरक्षा तंत्र भी बदलते खतरों के अनुरूप स्वयं को लगातार सशक्त बना रहा है। भारत की जीरो टॉलरेंस नीति का मूल सिद्धांत है कि आतंकवाद के प्रति किसी भी स्तर पर नरमी नहीं बरती जाएगी। चाहे सीमा पार से संचालित नेटवर्क हों, देश के भीतर सक्रिय मॉड्यूल हों या आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने वाले तंत्र, सभी के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जा रही है। साथ ही आतंकवाद से मुकाबला केवल सुरक्षा एजेंसियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी भी है।

गंगासागर में रचा गया ऐतिहासिक अध्याय: मात्र सात दिनों में चैत्यालय स्थापना एवं वेदी प्रतिष्ठा संपन्न

गंगासागर. शाबाश इंडिया

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा, पश्चिम बंगाल एवं दिगम्बर जैन गंगासागर पार्श्वनाथ तीर्थ विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में गंगासागर की पावन धरा पर एक ऐतिहासिक एवं अलौकिक धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। परम पूज्य आचार्य श्री 108 वसुनन्दी जी महाराज के ससंघ मंगल आशीर्वाद से मात्र सात दिनों के अल्प समय में चैत्यालय की स्थापना, वेदी प्रतिष्ठा एवं भगवान की प्रतिमाओं के विराजमान होने का शुभ कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। 19 जुलाई 2026 को आयोजित इस भव्य समारोह में अभिषेक, शांतिधारा एवं यागमण्डल विधान के उपरांत पंडित आलोक कुमार जैन शास्त्री (बड़ामलहरा) के निर्देशन में वेदी पर मूलनायक भगवान मल्लिनाथ, भगवान आदिनाथ एवं भगवान पद्मप्रभु की पावन प्रतिमाओं की विधि-विधानपूर्वक प्रतिष्ठा कराई गई।

प्रमुख पुण्यार्जक परिवार

ध्वजारोहण: श्री नरेन्द्र कुमार एवं श्रीमती राजकुमारी पाण्ड्या (सुजानगढ़ / कोलकाता)
वेदी प्रदानकर्ता: श्री फूलचंद-विनोद कुमार
श्री दिवस सेठी: श्री आनन्द सेठी (डीमापुर / कोलकाता)
वेदी स्थापनाकर्ता: श्री अशोक कुमार एवं श्रीमती सुमन चूड़ीवाल (बरपेटा रोड, असम)
सौधर्म इन्द्र: श्री अमित सेठी एवं श्रीमती विनीता सेठी (कोलकाता)

यज्ञनायक

श्री कमल पाटनी एवं श्रीमती ललिता पाटनी (वर्धमान)
प्रतिमा विराजमान कराने का सौभाग्य
भगवान पद्मप्रभु: श्री अजित कुमार एवं श्रीमती लीलादेवी झांझरी (नलबाड़ी, असम)
मूलनायक भगवान मल्लिनाथ: श्री ओमप्रकाश एवं श्रीमती प्रभा सेठी (गुवाहाटी)
भगवान आदिनाथ: श्रीमती बेला, श्री सुरेश, अरिहंत एवं साहिल छाबड़ा (गुवाहाटी, असम)
छत्र, भामण्डल एवं सिंहासन दानकर्ता
श्रीमती इन्द्रा देवी गंगवाल (डीमापुर)
श्रीमती उषा, संतोष, शोभा एवं स्वाती जैन (पूर्वोत्तर शाखा)
श्रीमती कुसुम देवी पाटनी (गुवाहाटी)

श्रद्धा और समर्पण का अद्भुत उदाहरण

श्रद्धालुओं का मानना है कि पूज्य आचार्य श्री 108 वसुनन्दी जी महाराज के मुखारविंद से निकली वाणी अक्षरशः सिद्ध हुई। मात्र सात दिनों में भव्य चैत्यालय का निर्माण, प्रतिमाओं की उपलब्धता तथा सभी आवश्यक संयोगों का सहज रूप से बन जाना सभी के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं रहा। यह संपूर्ण आयोजन तीर्थ संरक्षिणी महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री राजकुमार जैन सेठी के कुशल मार्गदर्शन, दूरदर्शिता एवं समर्पण के साथ श्री विनीत पाटनी (महामंत्री, आसनसोल), श्री विजय सरावगी (प्रचार मंत्री, तीर्थ संरक्षिणी महासभा, पश्चिम बंगाल), महासभा के पदाधिकारियों तथा समाज के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर तीर्थ संरक्षिणी महासभा परिवार ने सभी पुण्यार्जक परिवारों एवं सहयोगियों को बधाई देते हुए उनके पुण्य कार्य की अनुमोदना की।

आचार्य रामदयालजी महाराज की मंगलमय पधरावणी में उमड़ा श्रद्धा, आस्था और भक्ति का सैलाब

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

धर्मनगरी भीलवाड़ा रविवार को उस समय भक्ति और श्रद्धा के रंग में रंग गई, जब अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु आचार्य श्री 1008 रामदयालजी महाराज 'विश्व शांति कल्याण' चातुर्मास के लिए नगर में पधारे। भीलवाड़ा में उनके पांचवें चातुर्मास के अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने भव्य मंगल पधरावणी में भाग लिया। विश्व शांति कल्याण चातुर्मास समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में स्टेशन चौराहे पर वैदिक मंत्रोच्चार एवं शंखनाद के बीच आचार्यश्री का भव्य स्वागत किया गया। सर्व समाज के श्रद्धालुओं ने 108 थालियों से महाआरती कर उनका अभिनंदन किया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इसके बाद स्टेशन चौराहे से माणिक्यनगर स्थित रामद्वारा तक विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में हाथी, घोड़े, ऊंट, शाही लवाजमा, छत्र-चंवर, धार्मिक झांकियां एवं रामभक्ति से ओतप्रोत बैंड आकर्षण का केंद्र रहे। श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए जयघोष के साथ आगे बढ़ते रहे। मार्ग में 108 स्वागत द्वार बनाए गए थे तथा जगह-जगह पुष्पवर्षा कर आचार्यश्री का स्वागत किया गया। महाकाल आरती दल की प्रस्तुति, जबलपुर से आए बैंड, रामस्नेही नर्सिंग केंद्र के प्रशिक्षणार्थियों, वेद विद्यालय के विद्यार्थियों तथा प्रेरणादायी संदेशों वाली झांकियों ने शोभायात्रा की गरिमा बढ़ाई। शोभायात्रा लगभग तीन घंटे तक चली और नगर के प्रमुख मार्गों से होकर रामद्वारा धाम पहुंची।

विश्व शांति का संदेश दिया

रामद्वारा धाम में अभिजीत मुहूर्त में चातुर्मासिक मंगल प्रवेश के बाद आचार्य श्री रामदयालजी महाराज ने कहा कि चातुर्मास आत्मशुद्धि, मर्यादा, सेवा और भक्ति का पर्व है। उन्होंने कहा कि विश्व शांति कल्याण चातुर्मास समाज में शांति, सद्भाव और मानवता का संदेश देगा। भारत आतंकवाद, भ्रष्टाचार और सामाजिक विकृतियों से मुक्त होकर विश्व को शांति का मार्ग दिखाए, यही हमारी कामना है। उन्होंने कहा कि ''जो व्यवहार हमें स्वयं पसंद नहीं, वह दूसरों के साथ भी नहीं करना चाहिए। संस्कृति समाज को जोड़ती है, जबकि विकृतियां समाज और राष्ट्र को कमजोर करती हैं।'' आचार्यश्री ने बनेड़ा रामद्वारा को पुनः भव्य तीर्थ के रूप में विकसित करने का भी आह्वान किया।

सनातन और जैन संस्कृति का संगम

आचार्यश्री ने कहा कि भीलवाड़ा की पावन भूमि पर इस समय सनातन एवं जैन संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। उन्होंने शांतिभवन में चल रहे जैन संतों के चातुर्मास का उल्लेख करते हुए कहा कि धर्म की यह ऊर्जा पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

ड्रोन से पुष्पवर्षा, सतरंगी रंगोली बनी आकर्षण

शोभायात्रा के दौरान कलाकारों ने मार्ग में सजीव सतरंगी रंगोलियां बनाईं, जिन्होंने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। वहीं ड्रोन के माध्यम से पुष्पवर्षा की गई। शहरवासियों ने भी विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर आचार्यश्री का स्वागत किया। आचार्यश्री ने कहा कि भीलवाड़ा की जनता ने जिस आत्मीयता और श्रद्धा से उनका स्वागत किया है, उसके लिए वे सदैव ऋणी रहेंगे। उन्होंने कहा कि ''कभी भीलों का वाड़ा कहलाने वाला भीलवाड़ा आज भक्ति, सेवा और संस्कृति का केंद्र बन गया है।''

माचिस की काड़ी के निमित्त से अपने जीवन का दीप जला लेना : राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज

'मैं यदि रुक गया होता तो देवास कैसे आता, इंदौर वाले तैयार हो जाएं'

देवास में राष्ट्रीय संत की भव्य अगवानी, कलेक्टर एवं एसपी ने लिया आशीर्वाद

देवास. शाबाश इंडिया

राष्ट्रसंत मुनि पुंगव आचार्य श्री 108 सुधासागरजी महाराज ससंघ (18 पिच्छिकाओं सहित) का देवास में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। नगर के बाहर श्रद्धालुओं ने जयघोष, पुष्पवर्षा एवं श्रद्धाभाव से उनकी अगवानी की। इस अवसर पर मुनि सागरजी महाराज ससंघ, आर्यिका माताजी, प्रशासनिक अधिकारियों तथा जैन समाज के पदाधिकारियों ने भी स्वागत किया। नयापुरा जैन मंदिर में आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंत ने कहा कि गुरु, साधु और संत माचिस की काड़ी के समान होते हैं। उनसे जीवनभर उजाला मांगने के बजाय उनके निमित्त से अपने जीवन का दीपक जला लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि माचिस की काड़ी केवल कुछ क्षण के लिए जलती है, लेकिन उसी से दीपक प्रज्वलित हो जाए तो वह लंबे समय तक प्रकाश देता है। इसी प्रकार गुरु का सान्निध्य सीमित समय के लिए मिलता है, इसलिए उस अवसर का सदुपयोग कर आत्मकल्याण करना चाहिए। आचार्यश्री ने कहा, ''यदि मैं हर स्थान पर लोगों के आग्रह से रुकता रहता, तो आज देवास कैसे पहुंचता? जहां भी जाता हूं, लोग कहते हैं कि महाराजश्री कुछ दिन और रुक जाइए। लेकिन यदि एक ही स्थान पर रुक जाऊं तो अन्य स्थानों पर धर्म का प्रकाश कैसे पहुंचेगा?'' उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि संतों के सान्निध्य का लाभ लेकर अपने भीतर ज्ञान, संयम और धर्म का दीप जलाएं, क्योंकि यही स्थायी प्रकाश है।

पांच सेकंड की सावधानी, जीवनभर का प्रकाश

धर्मसभा में आचार्यश्री ने कहा कि निमित्त से लाभ लेने की कला सीखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मात्र पांच सेकंड की सावधानी भी जीवनभर का प्रकाश दे सकती है। माचिस की काड़ी क्षणभर जलती है, लेकिन उससे जलाया गया दीपक लंबे समय तक उजाला देता है। इसी प्रकार संतों का सान्निध्य सीमित समय का होता है, इसलिए उसे आत्मजागरण का माध्यम बनाना चाहिए।

इंदौर चातुर्मास को लेकर बढ़ रहा उत्साह

धर्मसभा के प्रारंभ में मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि अब इंदौर चातुर्मास का समय निकट है और श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही देशभर के भक्तों की उपस्थिति में इंदौर में भव्य चातुर्मास का शुभारंभ होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय कवि श्री यादव ने काव्यमय निवेदन प्रस्तुत करते हुए देवास में कुछ और समय रुकने का आग्रह किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलगान से हुआ।

कलेक्टर एवं एसपी ने लिया आशीर्वाद

दोपहर में जिला कलेक्टर ऋतुराज सिंह एवं पुलिस अधीक्षक पुनीत गहलोत ने संत निवास पहुंचकर आचार्यश्री का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा आध्यात्मिक विषयों पर चर्चा कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाया। इस दौरान अपर कलेक्टर संजीव जैन, जैन समाज के अध्यक्ष मनोहरचंद जैन, मंत्री शैलेन्द्र जैन, अरविंद पाणोत, पारस जैन, अभिषेक जैन, विकास जैन सहित समाज के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासनिक अधिकारियों ने श्रीफल भेंट कर आचार्यश्री का सम्मान किया, वहीं समाज की ओर से कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक का भी अभिनंदन किया गया।

विश्व धर्म सेवा संघ ने सुसुवाही में शुरू किया वृक्षारोपण अभियान

एक लाख पौधे लगाने का लिया संकल्प, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

वाराणसी. शाबाश इंडिया

विश्व धर्म सेवा संघ द्वारा सुसुवाही स्थित गणेशपुरी कॉलोनी एवं यूनियन बैंक के समीप मनोरथपुरी कॉलोनी में पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता के उद्देश्य से वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत 25 पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व विश्व धर्म सेवा संघ के अध्यक्ष एवं संस्थापक सतीश कुमार माली ने किया। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उनके संरक्षण और नियमित देखभाल को भी सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि संघ ने जनसहभागिता के माध्यम से एक लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। सतीश कुमार माली ने कहा कि वृक्ष ही जीवन का आधार हैं और पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। यदि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, हरित और सुरक्षित वातावरण मिल सकता है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होने का आह्वान किया। संस्था ने बताया कि समाज में सेवा, मानवता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर विनीत कुमार सिंह, दीपक श्रीवास्तव, अशोक पटेल, गणेश कुमार यादव, बबलू सैनी एवं कमल किशोर सहित संस्था के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नेमिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर की नेमीसागर कॉलोनी स्थित श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में सोमवार को 22वें तीर्थंकर भगवान नेमीनाथ स्वामी का मोक्ष कल्याणक महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष जे.के. जैन (कालाडेरा) ने बताया कि भगवान नेमीनाथ ने गिरनार पर्वत स्थित ऊर्जयंत टोंक से प्रदोष काल एवं चित्रा नक्षत्र में 536 मुनिराजों के साथ मोक्ष पद प्राप्त किया था। उन्होंने बताया कि भगवान नेमीनाथ के साथ 8,800 मुनिराजों ने भी सिद्ध पद प्राप्त किया। इसी पावन स्थल से शाम्ब, प्रद्युम्न, अनिरुद्ध सहित करोड़ों मुनियों ने मोक्ष प्राप्त कर सिद्धत्व को प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि विवाह समारोह के लिए ले जाए जा रहे मूक पशुओं की पीड़ा देखकर भगवान नेमीनाथ के हृदय में गहन वैराग्य जागृत हुआ। उन्होंने संसार का त्याग कर लोककल्याण की भावना से मोक्षमार्ग को अपनाया और अनंत जीवों के लिए मुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया। महोत्सव के अंतर्गत प्रातःकाल भगवान का सामूहिक अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन संपन्न हुआ। इसके बाद श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से भगवान नेमीनाथ के चरणों में निर्वाण लड्डू अर्पित किया। इस वर्ष निर्वाण लड्डू के पुण्यार्जक श्रीमती संतोष बाकलीवाल परिवार रहे। मोक्ष कल्याणक की पूर्व संध्या पर रविवार को भगवान नेमीनाथ का चालीसा पाठ एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अंबाह में आर्यिका श्री संगम मति माताजी का ससंघ भव्य मंगल प्रवेश

चातुर्मास के लिए उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा पर होगा कलश स्थापना समारोह

अंबाह. अजय जैन। वर्ष 2026 के चातुर्मास के लिए भारत गौरव गणिनी आर्यिका श्री 105 संगम मति माताजी का चार आर्यिकाओं सहित ससंघ रविवार को अंबाह नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। आर्यिका संघ के आगमन पर नगर सहित प्रदेशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा एवं जयघोष के साथ आर्यिका संघ का भावपूर्ण स्वागत किया, जिससे

पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। जैन समाज के विमल जैन (राजू) एवं चीकू जैन ने बताया कि पोरसा पहुंचने पर सकल दिगम्बर जैन समाज अंबाह की ओर से आर्यिका माताजी को श्रीफल भेंट कर वर्ष 2026 का चातुर्मास अंबाह में करने का निवेदन किया गया। आर्यिका माताजी द्वारा चातुर्मास स्वीकार किए जाने पर समाजजनों में विशेष उत्साह का माहौल रहा। इसके बाद पोरसा से बैंड-बाजों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो पोरसा चौराहा, परेड चौराहा, अटल पार्क एवं सदर बाजार होते हुए जैन बगीची पहुंची। शोभायात्रा में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अंजलि जिनेश जैन, विभिन्न जैन मंदिर समितियों के पदाधिकारी, आदिनाथ महिला मंडल, चंदनबाला महिला मंडल, बालिका मंडल तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालु भजन-कीर्तन एवं जयघोष करते हुए पूरे उत्साह के साथ शोभायात्रा में सम्मिलित रहे। जैन बगीची पहुंचने पर समाज के पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं ने आर्यिका माताजी एवं संघ की मंगल आरती कर पादप्रक्षालन किया। इसके बाद आर्यिका संघ ने मंदिर में जिनेंद्र भगवान के दर्शन किए।

आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के मुनि दीक्षा दिवस पर डडूका में हुआ वृक्षारोपण

अजीत कोठिया. डडूका (बांसवाड़ा)

डडूका (बांसवाड़ा)। आषाढ़ शुक्ल पंचमी के पावन अवसर पर इस सदी के महान तपस्वी आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराज के मुनि दीक्षा दिवस के उपलक्ष्य में दिगम्बर जैन समाज, जैन युवा समिति, महिला मंडल एवं दिगम्बर जैन पाठशाला परिवार, डडूका के संयुक्त तत्वावधान में नसियाजी तीर्थ क्षेत्र, डडूका में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित समाजजनों एवं बच्चों ने फलदार पौधों का रोपण कर उनकी नियमित देखभाल का संकल्प लिया। पर्यावरण प्रभारी एवं प्रकृति प्रेमी मितेश आर. शाह, समाज अध्यक्ष राजेश शाह, जैन युवा समिति अध्यक्ष चिराग शाह तथा पलाश शाह के मार्गदर्शन में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर राजेंद्र कोठिया, टीना शाह, अजीत कोठिया, अंकित शाह सहित जैन युवा समिति के सदस्य एवं दिगम्बर जैन पाठशाला के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। समाज प्रवक्ता राकेश शाह ने बताया कि प्रकृति संरक्षण एवं पर्यावरण संतुलन के उद्देश्य से समाज द्वारा भविष्य में भी ऐसे जनजागरण एवं सेवा कार्य निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

भगवान नेमिनाथ के मोक्ष कल्याणक पर महल योजना जैन मंदिर में चढ़ाया गया निर्वाण लाडू

जयपुर. शाबाश इंडिया

22वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ स्वामी के मोक्ष कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर जगतपुरा स्थित महल योजना के श्री 1008 मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्री मुनि सुव्रतनाथ फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भगवान नेमिनाथ के मोक्ष कल्याणक के उपलक्ष्य में निर्वाण लाडू अर्पण रहा। प्रातःकाल जिनेंद्र भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न होने के बाद विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ भगवान नेमिनाथ के चरणों में श्रद्धापूर्वक निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान के निर्वाण कल्याणक का स्मरण करते हुए धर्मलाभ प्राप्त किया। समारोह में मंदिर समिति की अध्यक्ष निर्मला मुकेश सांघी, मंत्री शिव कुमार सहित समिति के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों एवं समाज के गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठानों की व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

स्व. ऋषभ जैन की स्मृति में असहाय एवं निर्धन बच्चों के साथ बांटी खुशियां

36वीं जयंती पर सामाजिक, धार्मिक एवं मानव सेवा कार्यो के माध्यम से दी श्रद्धांजलि

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप मेट्रो जयपुर के संस्थापक अध्यक्ष एवं समाजसेवी विनोद जैन कोटखावदा तथा दीपिका जैन कोटखावदा के सुपुत्र, होनहार सीए छात्र स्व. ऋषभ जैन की 36वीं जयंती के अवसर पर ऋषभ सेवा संस्थान, जैन सोशल ग्रुप मेट्रो जयपुर एवं संगिनी फोरम जेएसजी मेट्रो के संयुक्त तत्वावधान में सामाजिक, धार्मिक एवं मानव सेवा के विविध कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। ऋषभ सेवा संस्थान के अध्यक्ष महेन्द्र शाह आबूजीवाले एवं मानद सचिव विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि इस अवसर पर देवी नगर स्थित 'पहल' सामाजिक संस्था में अध्ययनरत असहाय एवं आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को व्हाइट बोर्ड, स्टेशनरी, कॉपियां, फल, बिस्कुट एवं शीतल पेय वितरित किए गए। साथ ही बच्चों के साथ समय बिताकर खुशियां साझा की गईं। कार्यक्रम की शुरूआत तीन बार णमोकार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से हुई। इसके पश्चात सामग्री का वितरण किया गया। कुसुम साखूनियां के सहयोग से ऋषभ सेवा संस्थान ने संस्था को दो व्हाइट बोर्ड भी भेंट किए। उपयोगी सामग्री प्राप्त कर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर जैन सोशल ग्रुप मेट्रो जयपुर के संस्थापक अध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, संगिनी फोरम जेएसजी मेट्रो की संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा, अध्यक्ष रेखा पाटनी, समाजसेवी भागचंद पाटनी, अंकित बाकलीवाल, पूजा कूलवाल, कुसुम साखूनियां, सुनीता हल्दैनिया, दिव्या बाकलीवाल, देवांश बाकलीवाल, नविका हल्दैनिया सहित बड़ी संख्या में परिवारजन एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

णमोकार महामंत्र एवं भक्तामर स्तोत्र का हुआ पाठ

सूर्य नगर स्थित कोटखावदा हाउस में विश्व शांति एवं लोककल्याण की भावना से णमोकार महामंत्र एवं भक्तामर स्तोत्र का सामूहिक पाठ किया गया। इसके पश्चात किसी प्यासे को पानी पिलाया करो, साधना के रास्ते, तुमसे लागी लगन, चल उड़ा पंछी रे, इतनी शक्ति हमें देना दाता एवं अन्य आध्यात्मिक भजनों की भावपूर्ण प्रस्तुतियां दी गईं।

कम उम्र में ही छोड़ी अमिट छाप

उल्लेखनीय है कि स्व. ऋषभ जैन का जन्म 18 जुलाई 1991 को हुआ था। उन्होंने मात्र 9 वर्ष की आयु में जैन धर्म के शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखरजी की 27 किलोमीटर की पैदल वंदना कर अपनी धार्मिक आस्था का परिचय दिया था। वे राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर द्वारा आयोजित कंप्यूटर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान भी प्राप्त कर चुके थे। 28 अप्रैल 2009 को सीए की कोचिंग के लिए जाते समय बिड़ला मंदिर के पीछे तुलसी सर्किल पर हुए एक सड़क हादसे में उनका असामयिक निधन हो गया था। उनकी स्मृति में परिवार द्वारा प्रतिवर्ष सेवा, धर्म एवं समाजहित के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

हवन-यज्ञ एवं पूर्णाहुति के साथ श्रीमद्भागवत कथा को भावपूर्ण विदाई

ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया। सनातन धर्मशाला में राधा माधव महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का रविवार को श्रद्धा, भक्ति एवं धार्मिक उल्लास के साथ विधिवत समापन हुआ। समापन अवसर पर हवन-यज्ञ एवं पूर्णाहुति का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आहुतियां अर्पित कर विश्व शांति, सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। कथा व्यास महंत श्री भरतमुनि उदासीन जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं एवं भक्त चरित्रों का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया। कथा के अंतिम दिन हवन-यज्ञ एवं पूर्णाहुति के पश्चात श्रद्धालुओं ने नम आंखों और भक्तिभाव के साथ श्रीमद्भागवत महापुराण को भावपूर्ण विदाई दी। इस अवसर पर महंत श्री भरतमुनि उदासीन जी महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल श्रवण का विषय नहीं, बल्कि उसके उपदेशों को जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि कथा समाप्त होने के बाद भी यदि व्यक्ति भगवान के नाम-स्मरण, सत्संग, सेवा और सदाचार को अपने जीवन का हिस्सा बनाए रखे, तभी कथा श्रवण की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होती है। समापन समारोह के दौरान ''राधे-राधे'', ''जय श्रीकृष्ण'' एवं ''श्रीमद्भागवत भगवान की जय'' के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने व्यासपीठ का पूजन कर महंत श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजक राधा माधव महिला मंडल ने कथा के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं, सेवाभावी कार्यकताओं एवं नगरवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जेएलएन मेडिकल कॉलेज में अंगदान जन-जागरूकता रैली का आयोजन

अजमेर, (रोहित जैन)

राज्य सरकार द्वारा 15 जुलाई से 31 अगस्त तक संचालित अंगदान जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत सोमवार को जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, अजमेर द्वारा मेडिकल कॉलेज से बजरंगगढ़ चौराहे तक एक विशाल जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का नेतृत्व मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल समारिया ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सकों सहित मेडिकल कॉलेज के स्नातक (यूजी), स्नातकोत्तर (पीजी) एवं इंटर्न विद्यार्थियों, नर्सिंग अधिकारियों तथा चिकित्सा एवं गैर-चिकित्सा कर्मचारियों, रोटरी क्लब, नर्सिंग कॉलेज, नर्सिंग स्कूल,ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। रैली का मुख्य उद्देश्य 15 जुलाई से 31 अगस्त तक चल रहे राज्यव्यापी अंगदान जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत आमजन को अंगदान के प्रति जागरूक करना तथा अधिक से अधिक लोगों को अंगदान संकल्प से जोड़ना था। रैली का समापन बजरंगगढ़ चौराहे पर हुआ, जहाँ संभागीय आयुक्त शक्तिसिंह राठौड़ ने राज्यव्यापी चल रही इस मुहिम की सराहना की आमजन को अंगदान अभियान से जुड़ने का संदेश दिया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. अनिल समारिया ने कहा कि ?एक व्यक्ति के अंगदान से नौ लोगों को नया जीवन मिल सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अंगदान का संकल्प लेने तथा इस पुनीत कार्य में सहभागी बनने का आह्वान किया। अंगदान अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. श्याम भूतड़ा ने अधिक से अधिक लोगों से अंगदान प्रतिज्ञा (प्लेज) लेने की अपील की। चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे एवं नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य श्रीमती सुनीता रोहिल्ला ने भी अंगदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे मानवता की सर्वोच्च सेवा बताया।

दिगम्बर जैन समाज की 84 जातियों को एक मंच पर लाने का ऐतिहासिक संकल्प

इंदौर में 'भारतवर्षीय दिगम्बर जैन सर्वजातीय महासंघ' की महत्वपूर्ण बैठक, राष्ट्रीय महासम्मेलन आयोजित करने का निर्णय

इंदौर। (राजेश जैन 'दद्दू') भारतवर्षीय दिगम्बर जैन सर्वजातीय महासंघ की एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक बैठक रविवार को इंदौर में महासंघ के अध्यक्ष हसमुख जैन गांधी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य दिगम्बर जैन समाज की सभी 84 जातियों को एक साझा मंच पर लाना, आपसी समन्वय एवं परिचय को बढ़ावा देना तथा समाज के सामूहिक हितों के लिए संगठित रूप से कार्य करना रहा। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन 'दद्दू' ने बताया कि कार्यक्रम का संचालन बाहुबली जैन ने किया। बैठक में शेखर छाबड़ा (खंडेलवाल समाज), निमिष जैन (पौड़वाल समाज), डी.के. जैन (डीएसपी) (गोलापूर्व समाज), अरविंद बंडी (हुम्मड़ समाज) तथा जैनेंद्र सावला (बघेरवाल समाज) सहित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि मंचासीन रहे। इसके अलावा मुकेश कुमार जैन (अग्रवाल समाज महासंघ), आशीष जैन (जैसवाल समाज), राजेंद्र जैन (गोलालारिया समाज), ऋषभ जैन (जैसवाल उपरोचिया समाज), नवीन जैन (खरोंआ समाज), सुधीर सिंघई (लामेंचू समाज), विजय ओरा (नरसिंहपुरा समाज), सुधीर जैन (पद्मावती पोरवाल समाज), राजीव जैन (पल्लीवाल महासभा), डॉ. उदय जैन (तारण तरण समाज) तथा सुनील जैन (सेतवाल समाज) सहित अनेक समाजों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इंदौर या अयोध्या में होगा राष्ट्रीय महासम्मेलन

बैठक को संबोधित करते हुए महासंघ के अध्यक्ष हसमुख जैन गांधी ने बताया कि दिगम्बर जैन समाज में कुल 84 जातियां हैं। समाज को संगठित करने के अभियान के अंतर्गत पूर्व में सिद्धवरकूट में 45 जातियों का सफल सम्मेलन आयोजित किया जा चुका है, जबकि अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम में 24 जातियों के राष्ट्रीय अध्यक्षों ने सहभागिता की थी। इसी क्रम में इंदौर में 22 जातियों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी समय में इंदौर अथवा अयोध्या में राष्ट्रीय स्तर का भव्य सर्वजातीय महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें देशभर की सभी दिगम्बर जैन जातियों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा।

2027 की जनगणना में 'जैन' लिखने का आह्वान

बैठक में वर्ष 2027 की राष्ट्रीय जनगणना को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। महासंघ ने सभी समाजों से अपने-अपने स्तर पर जनसंख्या संबंधी जानकारी संकलित करने का आह्वान किया। साथ ही सभी जैन समाजबंधुओं से आग्रह किया गया कि सरकारी जनगणना के दौरान धर्म के कॉलम में अनिवार्य रूप से 'जैन' दर्ज कराएं, ताकि समाज की वास्तविक जनसंख्या का सही आंकड़ा सामने आ सके।

'नींद छोटी मौत है और मौत बड़ी नींद' : अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी

राष्ट्रीय सबरस कवि शशिकांत यादव एवं अपर कलेक्टर संजीव कुमार जैन ने लिया गुरु आशीर्वाद

सोनकच्छ. शाबाश इंडिया

पुष्पगिरि तीर्थ पर शनिवार को राष्ट्रीय सबरस कवि शशिकांत यादव (देवास) तथा रविवार प्रातः अपर कलेक्टर संजीव कुमार जैन ने पहुंचकर तीर्थ में विराजमान गणाचार्य 108 पुष्पदंत सागर महामुनिराज एवं अंतर्मना आचार्य 108 प्रसन्न सागर मुनिराज ससंघ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर गणाचार्य श्री ने दोनों अतिथियों का तिलक कर स्वागत किया, जबकि अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज ने उन्हें आध्यात्मिक पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया। अपर कलेक्टर संजीव कुमार जैन ने भगवान का कलशाभिषेक दर्शन किया तथा मुनिसंघ की आहारचर्या का लाभ भी प्राप्त किया।

सांसारिक संपत्ति नहीं, पुण्य साथ जाता है

जिनागम समयसार ग्रंथ के स्वाध्याय के दौरान अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज ने शिष्यों एवं श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब तक मनुष्य संसार में रहता है, लोग उससे पूछते हैं कि उसके पास क्या है, लेकिन मृत्यु के समय परमात्मा यह पूछते हैं कि वह अपने साथ क्या लेकर आया है। उन्होंने कहा कि धन, संपत्ति, घर और वैभव अर्जित करना गलत नहीं है, लेकिन यह स्मरण रखना चाहिए कि एक दिन सब कुछ यहीं छोड़कर जाना है। मनुष्य के साथ यदि कुछ जाता है तो वह उसके सत्कर्म और पुण्य ही होते हैं। इसलिए सांसारिक दायित्वों के साथ-साथ पुण्य संचय पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए।

'नींद छोटी मौत है और मौत बड़ी नींद'

आचार्य श्री ने कहा कि ''नींद छोटी मौत है और मौत बड़ी नींद है।'' यदि सही और गलत का ज्ञान होने के बावजूद व्यक्ति पापकर्म करता है, तो वह स्वयं अपना अहित करता है। उन्होंने कहा कि अपना वास्तविक हित चाहते हैं तो पराई वस्तु को अपना मानने का मोह त्यागें तथा जीवन को शुभ कार्यों, धर्म, संयम और आत्मकल्याण के मार्ग पर लगाएं। इस अवसर की जानकारी प्रवक्ता रोमिल जैन (सोनकच्छ), नरेंद्र अजमेरा एवं पीयूष कासलीवाल (औरंगाबाद) ने दी।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज से लिया आशीर्वाद

इंदौर। (राजेश जैन 'दद्दू') मध्यप्रदेश शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने परम पूज्य मुनि पुंगव श्री 108 सुधासागरजी महामुनिराज के विहार के दौरान उनके दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने सर सेठ हुकुमचंदजी की धर्मनगरी इंदौर में सकल जैन समाज की ओर से ऐतिहासिक वर्षायोग (चातुर्मास) के लिए श्रीफल समर्पित कर मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन 'दद्दू' ने बताया कि इस अवसर पर समाज के प्रमुख श्रेष्ठीजन सपना-मनीष गोधा, रानी-अशोक डोसी, आकाश कोल, आनंद-नवीन गोधा, धर्मेन्द्र जैन (सिनकेम), अक्षय कासलीवाल, राहुल जैन एवं राजेश जैन 'दद्दू' सहित सैकड़ों समाजजन उपस्थित रहे। सभी ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के साथ मुनिश्री से प्रार्थना की कि इंदौर में वर्षायोग (चातुर्मास) निर्विघ्न, मंगलमय एवं धर्मप्रभावना के साथ संपन्न हो तथा समस्त समाज को धर्मलाभ प्राप्त हो।

125वें स्थापना वर्ष पर तीर्थ सुरक्षा का राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू होगा

वर्षभर चलेंगे जन-जागरूकता एवं संरक्षण कार्यक्रम

आगरा. शाबाश इंडिया। भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी के 125वें स्थापना वर्ष (शतकोत्तर रजत महोत्सव) के उपलक्ष्य में वर्षभर चलाए जाने वाले 'चल-अचल तीर्थ सुरक्षा एवं जन-जागरूकता महामहोत्सव' की रूपरेखा की जानकारी सोमवार को श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, अतिशय क्षेत्र नसियाजी, आगरा में आयोजित भव्य पत्रकार वार्ता में दी गई। यह कार्यक्रम आचार्य श्री 108 सौभाग्य सागरजी महाराज एवं स्थविर संत सुरत्न सागराचार्यजी महाराज ससंघ के मंगल सान्निध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर समिति के 125वें स्थापना वर्ष की स्मारिका का भी विधिवत विमोचन किया गया। भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जम्बू प्रसाद जैन ने बताया कि स्थापना के 125 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 22 अक्टूबर 2026 से 22 अक्टूबर 2027 तक देशव्यापी चल-अचल तीर्थ सुरक्षा एवं जन-जागरूकता महामहोत्सव आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में जैन तीर्थों, प्राचीन जिनालयों, धार्मिक धरोहरों तथा पूज्य साधु-संतों से जुड़े अनेक विषय समाज के लिए चुनौती बनकर सामने आए हैं। ऐसे समय में तीर्थों की सुरक्षा, संरक्षण एवं सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को संगठित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल तीर्थों की सुरक्षा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि समाज में जागरूकता, संगठन, सहभागिता और उत्तरदायित्व की भावना को भी सुदृढ़ करेगा।

जीवन में गुरु का होना आवश्यक, वही सन्मार्ग की ओर अग्रसर करते हैं: आर्यिका सुविज्ञमति माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया। धावास स्थित दिगम्बर जैन मंदिर में प्रवासरत आचार्य श्री 108 सुनील सागर महाराज की सुशिष्या आर्यिका श्री 105 सुविज्ञमति माताजी ने सोमवार को धर्मसभा में प्रवचन देते हुए कहा कि जीवन में गुरु का होना अत्यंत आवश्यक है। गुरु के मार्गदर्शन के बिना मोक्षमार्ग की सही दिशा प्राप्त नहीं हो सकती। सच्चा गुरु वही है, जो अपने अनुयायियों को धर्म, संयम और सन्मार्ग की ओर अग्रसर करे। धावास जैन मंदिर समिति के संरक्षक जयकुमार जैन (बड़जात्या) एवं अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार बैद ने बताया कि मंगलवार से मंदिर में पूज्य आर्यिका श्री 105 सुविज्ञमति माताजी के मंगल सान्निध्य में अष्टान्हिका महापर्व के अवसर पर भव्य सिद्धचक्र मंडल विधान का आयोजन होगा। यह विधान प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी अक्षय भैया के निर्देशन में संपन्न कराया जाएगा। मंदिर समिति के सहमंत्री मनोज जैन (पचेवर) एवं नरेन्द्र गोधा ने बताया कि नौ दिवसीय सिद्धचक्र मंडल विधान के दौरान संपूर्ण आयोजन का संचालन श्रेया दीदी कमल करेंगी। कार्यकारिणी सदस्य नरेश सौगाणी एवं विनय जैन ने बताया कि आयोजन को भव्य एवं सफल बनाने के लिए श्री सन्मति सुनीलम् महिला मंडल तन, मन और धन से सेवा कार्य में जुटा हुआ है।

धावास जैन मंदिर में आर्यिका श्री सुविज्ञमति माताजी ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश

21 जुलाई से आरंभ होगा अष्टान्हिका महापर्व एवं सिद्धचक्र महामंडल विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य राष्ट्रसंत, चर्या शिरोमणि, जिनधर्म प्रभावक, तीर्थोद्धारक एवं चतुर्थ पट्टाधीश आचार्य श्री 108 सुनील सागर महाराज की सुशिष्या आर्यिका श्री 105 सुविज्ञमति माताजी, क्षुल्लिका श्री 105 अजेयमति माताजी एवं बाल ब्रह्मचारिणी श्रेया दीदी का धावास स्थित शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में श्रद्धा एवं भव्यता के साथ मंगल प्रवेश हुआ। मंदिर समिति के परम संरक्षक विकास बड़जात्या, संरक्षक जयकुमार जैन (बड़जात्या) तथा अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार बैद ने सकल दिगम्बर जैन समाज की ओर से पूज्य आर्यिका संघ का पादप्रक्षालन कर श्रद्धापूर्वक अगवानी की। मंदिर निर्माण संयोजक एवं संरक्षक जयकुमार जैन (बड़जात्या) ने बताया कि 21 जुलाई से अष्टान्हिका महापर्व के अवसर पर जैन धर्म के प्रमुख अनुष्ठानों में से एक सिद्धचक्र महामंडल विधान का आठ दिवसीय आयोजन सकल दिगम्बर जैन समाज, धावास-जयपुर के तत्वावधान में पूज्य आर्यिका संघ के मंगल सान्निध्य में संपन्न कराया जाएगा। मंदिर समिति के मंत्री मितेश ठोलिया एवं कोषाध्यक्ष हेमेन्द्र लुहाड़िया ने बताया कि धावास पुलिया से गाजे-बाजे एवं जयघोष के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसके माध्यम से आर्यिका संघ का मंदिर परिसर में मंगल प्रवेश कराया गया। शोभायात्रा में श्री सन्मति सुनीलम् महिला मंडल, धावास की सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में गहरा उत्साह एवं भक्ति का वातावरण देखने को मिला। बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने आर्यिका संघ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

सीकर में 23 जुलाई को आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश

39 वर्षों का इंतजार होगा समाप्त, 37 पिच्छिका वाले संघ का होगा ऐतिहासिक आगमन

28 जुलाई को चातुर्मास स्थापना एवं 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव

सीकर. शाबाश इंडिया

सकल जैन समाज एवं समस्त सीकरवासियों के लिए 23 जुलाई का दिन ऐतिहासिक बनने जा रहा है। वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर महाराज 36 साधुओं (37 पिच्छिका) सहित वर्ष 2026 के चातुर्मास के लिए सीकर में भव्य मंगल प्रवेश करेंगे। वर्ष 1987 के बाद पहली बार इतना विशाल दिगम्बर जैन साधु-संघ सीकर की पावन धरा पर प्रवास करेगा। समाज के प्रवक्ता विवेक पाटोदी ने बताया कि गुरुदेव के आगमन से आगामी चार माह तक धर्म, साधना और आध्यात्मिकता का वातावरण रहेगा। प्रवचन, विधान, पूजन एवं विभिन्न धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समाज को धर्म, अहिंसा एवं संयम का संदेश मिलेगा।

तीसरी बार राजकीय अतिथि बने आचार्य श्री

आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज को राजस्थान सरकार ने तीसरी बार राजकीय अतिथि का सम्मान प्रदान किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की स्वीकृति के बाद जारी आदेशानुसार राजस्थान प्रवास के दौरान उन्हें राजकीय अतिथि का दर्जा दिया गया है। इससे पूर्व वर्ष 2022 एवं 2025 में भी उन्हें यह सम्मान मिल चुका है।

39 वर्ष बाद फिर गूंजेगी धर्मध्वनि

सीकर में पूर्व में आचार्य धर्मसागर महाराज, मुनि श्री सुधासागर महाराज, मुनि श्री पुलक सागर महाराज, मुनि श्री तरुण सागर महाराज तथा अनेक आर्यिकाओं के चातुर्मास हुए हैं, किंतु आचार्य वर्धमान सागर महाराज का यह आगमन विशेष इसलिए है क्योंकि यह अब तक सीकर आने वाला सबसे बड़ा दिगम्बर जैन साधु-संघ होगा।

गुरु-शिष्य परंपरा का अद्भुत प्रसंग

आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज अपने दीक्षा गुरु आचार्य श्री धर्मसागर महाराज के साथ वर्ष 1986 में सीकर आए थे। उसी प्रवास के दौरान आचार्य धर्मसागर महाराज ने अपने शिष्य के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए कहा था कि भविष्य में संघ का नेतृत्व वर्धमान करेंगे। बाद में वही भविष्यवाणी सत्य सिद्ध हुई और आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज पंचम पट्टाधीश के रूप में प्रतिष्ठित हुए। आचार्य धर्मसागर महाराज की समाधि भी वर्ष 1987 में सीकर में हुई थी, जिससे यह नगरी उनकी स्मृतियों से भी जुड़ी हुई है।

28 जुलाई को चातुर्मास स्थापना, 29 को गुरु पूर्णिमा

बड़ा मंदिर प्रबंध समिति के अनुसार 28 जुलाई को चातुर्मास स्थापना समारोह तथा 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव भव्य रूप से मनाया जाएगा। पूरे चातुर्मास में प्रवचनमाला, सामूहिक पूजन, धार्मिक अनुष्ठान एवं संस्कारवर्धक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

संत समागम से मिलता है वैराग्य का मार्ग

हाल ही में धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज ने कहा कि संत समागम रागी को वैरागी बनाने का माध्यम है। आत्मा और परमात्मा का स्वरूप समान है तथा पुरुषार्थ और सम्यक ज्ञान से प्रत्येक जीव परमात्मा बनने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि आत्मा से कर्मों का क्षय होने पर जन्म-मरण का चक्र समाप्त हो जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि सम्मेद शिखरजी की भावपूर्वक वंदना एवं दर्शन करने वाले जीव को तिर्यंच एवं नरक गति प्राप्त नहीं होती।

सीकर का जैन धर्म से गहरा संबंध

संघ से जुड़े डॉ. राजेश पंचोलिया ने बताया कि सीकर दिगम्बर जैन परंपरा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण नगरी है। यहां अनेक प्राचीन जिनालय, आचार्यों की समाधि स्थली तथा जैन साधु-संतों से जुड़ी ऐतिहासिक स्मृतियां विद्यमान हैं। उन्होंने बताया कि आचार्य श्री के संघ में अनेक ऐसे साधु-साध्वियां हैं जिनके परिवार के अन्य सदस्यों ने भी दीक्षा लेकर वैराग्य का मार्ग अपनाया है, जो जैन धर्म की त्याग परंपरा का प्रेरणादायी उदाहरण है।

37 पिच्छिका वाला विशाल साधु-संघ

आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज के संघ में कुल 37 पिच्छिका हैं, जिनमें 10 मुनिराज, 20 आर्यिकाएं, 1 ऐलक, 4 क्षुल्लक एवं 1 क्षुल्लिका शामिल हैं। यह वर्तमान समय के प्रमुख एवं विशाल दिगम्बर जैन साधु-संघों में से एक माना जाता है।

पाश्चात्य संस्कृति छोड़ भारतीय संस्कारों के साथ मनाया जन्मदिवस

मलेशिया में गौ-पूजन कर सांचौर की गौशालाओं में भिजवाया गुड़-चारा, किया पौधारोपण

जालोर (मुकेश सोलंकी). शाबाश इंडिया

आधुनिकता के दौर में जहां लोग जन्मदिन पर तड़क-भड़क और पाश्चात्य परंपराओं पर लाखों रुपये खर्च करते हैं, वहीं जालोर जिले के हाड़ेचा (वर्तमान निवासी-मलेशिया) की समाजसेवी अणसी देवी जैन, भामाशाह रमेश कुमार जैन के परिवार से, ने भारतीय संस्कृति, सेवा और पर्यावरण संरक्षण को समर्पित तरीके से अपना जन्मदिवस मनाकर प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने केक काटने जैसी पाश्चात्य परंपराओं से दूर रहकर इस अवसर को गौसेवा, पौधारोपण और धार्मिक कार्यों के लिए समर्पित किया।

सात समंदर पार रहकर भी मातृभूमि और गौसेवा से जुड़ाव

अणसी देवी जैन ने मलेशिया में रहते हुए भी अपनी भारतीय संस्कृति और मातृभूमि से जुड़ाव बनाए रखा। जन्मदिवस की शुरूआत उन्होंने मलेशिया के विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन और विधि-विधान से गौ-पूजन कर की। वहीं अपनी जन्मभूमि के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए सांचौर उपखंड की विभिन्न गौशालाओं में गौमाता के लिए गुड़ और पौष्टिक चारे की व्यवस्था भी करवाई। विदेश में रहकर किया गया यह सेवा कार्य क्षेत्र में सराहना का विषय बना हुआ है।

पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जन्मदिवस के अवसर पर उन्होंने अपने व्यावसायिक प्रतिष्ठान एवं अन्य स्थानों पर फलदार और छायादार पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। साथ ही धार्मिक अनुष्ठान आयोजित कर प्रसाद का वितरण भी किया गया। अणसी देवी जैन ने कहा कि जीवन के शुभ अवसरों को दिखावे और फिजूलखर्ची के बजाय गौसेवा, पौधारोपण और समाजहित के कार्यों से जोड़ना चाहिए। इससे आत्मिक संतोष के साथ समाज और प्रकृति के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन भी होता है। उन्होंने लोगों से भी अपने विशेष अवसरों को सेवा कार्यों से जोड़ने का आह्वान किया।

अणसी देवी जैन के इस अनुकरणीय प्रयास की प्रवासी भारतीय समाज, जालोर-सांचौर क्षेत्र के सामाजिक संगठनों, गौशाला संचालकों और प्रबुद्ध नागरिकों ने सराहना की। लोगों ने इसे भारतीय संस्कृति, सेवा भावना और पर्यावरण संरक्षण का प्रेरक उदाहरण बताते हुए युवाओं से ऐसे कार्यों से प्रेरणा लेने की अपील की।

टाइम बैंक जयपुर की संयुक्त मासिक बैठक में आधुनिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जागरूकता पर हुआ विशेष व्याख्यान

जयपुर. शाबाश इंडिया

टाइम बैंक पिनकोड 302018 एवं 302020 जयपुर इकाइयों की संयुक्त मासिक बैठक शनिवार को फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, जेएलएन मार्ग में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पिनकोड 302020 के एडमिन आकाश शर्मा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ पिनकोड 302018 के एडमिन नरेंद्र सेठी द्वारा अतिथि चिकित्सकों डॉ. पंकज आनंद एवं डॉ. दिवेश गोयल का माल्यार्पण कर स्वागत करने के साथ हुआ। बैठक में इंटरनल मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. पंकज आनंद तथा कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. दिवेश गोयल ने चिकित्सा क्षेत्र में उपलब्ध आधुनिक तकनीकों एवं नवीन उपचार पद्धतियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न बीमारियों की समय पर पहचान, उपचार की नवीन विधियों और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित सदस्यों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। इस अवसर पर आकाश शर्मा ने ज्योतिष विषय पर सूर्य एवं चंद्र ग्रह को सशक्त बनाने के उपायों की जानकारी साझा करते हुए उनके सकारात्मक प्रभावों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के समापन पर पिनकोड 302018 के एडमिन सतपाल अरोड़ा ने सभी अतिथि चिकित्सकों, पदाधिकारियों एवं उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक के बाद सभी सदस्यों ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में आपसी संवाद के साथ भोजन का आनंद लिया और भविष्य में भी ऐसे ज्ञानवर्धक एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

आर्यिकारत्न 105 श्री अर्हं श्री माताजी ससंघ का जयकारों के बीच मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। पूज्य आर्यिकारत्न 105 श्री अर्हं श्री माताजी ससंघ का भव्य 'अर्हंम मंगल प्रवेश जुलूस' रविवार को जयकारों और भक्तिमय वातावरण के बीच गोपालपुरा बाईपास स्थित मंगल विहार के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूरा क्षेत्र धर्म, भक्ति और आस्था के रंग में रंगा नजर आया। जुलूस में त्रिवेणी नगर, 10 बी स्कीम, मांग्यावास, कीर्ति नगर, शक्ति नगर, गायत्री नगर, प्रताप नगर सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। अर्हंम वर्षायोग समिति के अध्यक्ष अमित गोधा ने बताया कि मंगल प्रवेश जुलूस विभिन्न मार्गों से होता हुआ श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचा। मार्ग में अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पूज्य माताजी ससंघ का पाद प्रक्षालन, पुष्पवर्षा और जयकारों के साथ भव्य स्वागत किया। जुलूस में हजारों की संख्या में धर्मप्रेमी, महिला मंडल, युवा और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंदिर परिसर पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने पाद प्रक्षालन एवं आरती कर संघ की अगवानी की। इसके पश्चात पूज्य माताजी ने श्रीजी के दर्शन कर मंदिर की प्रशंसा की। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आर्यिकारत्न श्री अर्हं श्री माताजी ने कहा कि यह मंगल प्रवेश केवल मंगल विहार का आयोजन नहीं, बल्कि संपूर्ण जयपुर जैन समाज के लिए एक आध्यात्मिक महापर्व का शुभारंभ है। उन्होंने कहा कि उनके सान्निध्य में आयोजित होने वाला चातुर्मास धर्म, संस्कार, साधना और सेवा का अनुपम उदाहरण बनेगा तथा समाज को नई आध्यात्मिक दिशा प्रदान करेगा। समिति के अनुसार 26 जुलाई को दोपहर में चातुर्मास कलश स्थापना का भव्य आयोजन होगा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं ने सामूहिक मंगलकामना करते हुए प्रार्थना की कि यह चातुर्मास समाज के लिए प्रेरणा का केंद्र बने और धर्म की गंगा अधिक से अधिक जन-जन तक पहुंचे।

भक्ति, श्रद्धा और जयघोष के बीच साध्वी आज्ञानिधि श्रीजी म.सा. आदि ठाणा-6 का भव्य चातुर्मास मंगल प्रवेश सम्पन्न

मदुरै में उमड़ा आस्था का सैलाब, हजारों श्रद्धालुओं ने किया भावभीना स्वागत

मदुरै (तमिलनाडु). शाबाश इंडिया

श्री साँचा सुमतिनाथ भगवान राजेन्द्र सूरी ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित 'सद्गुरु समर्पण चातुर्मास-2026' के अंतर्गत परम पूज्य विदुषी साध्वी आज्ञानिधि श्रीजी म.सा. आदि ठाणा-6 का चातुर्मास मंगल प्रवेश सोमवार को भक्ति, श्रद्धा और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति से पूरा मदुरै धर्ममय वातावरण में सराबोर हो गया। श्री संघ के प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने बताया कि प्रातःकाल आराधना भवन से गाजे-बाजे, मंगलध्वनि और जयघोष के साथ भव्य मंगल प्रवेश शोभायात्रा प्रारंभ हुई। शोभायात्रा सोना-चाँदी बाजार, श्री साँचा सुमतिनाथ जैन मंदिर एवं साउथ मासी स्ट्रीट से होती हुई यतीन्द्र भवन पहुँची। मार्गभर श्रद्धालुओं ने अक्षत, श्रीफल और पुष्पवर्षा कर साध्वी भगवंत का भावभीना स्वागत किया। पूरा वातावरण जयघोषों, भक्ति और धर्ममय उल्लास से गूंज उठा। यतीन्द्र भवन में आयोजित धर्मसभा में साध्वी आज्ञानिधि श्रीजी म.सा. ने धर्म, संयम, तप, त्याग एवं आत्मकल्याण पर प्रेरणादायी प्रवचन दिए। उन्होंने श्रद्धालुओं से चातुर्मास के दौरान अधिकाधिक धर्म आराधना, स्वाध्याय, तपस्या, सेवा और आत्मचिंतन से जुड़ने का आह्वान किया। उनके ओजस्वी प्रवचनों से उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। मंगल प्रवेश शोभायात्रा एवं आयोजन की व्यवस्थाओं में श्री महावीर जैन सेवा मंडल, विभिन्न महिला मंडलों, बालिका मंडलों तथा श्री आदिनाथ जैन मंडल का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन विजयराज गुलेच्छा ने किया। इस अवसर पर श्री सुमतिनाथ जैन बड़ा मंदिर ट्रस्ट की ओर से दिनेश सालेचा तथा श्री सुमतिनाथ नया मंदिर ट्रस्ट की ओर से सुमेरमल गुलेच्छा, डूंगरचंद गुलेच्छा, हड़मान जैन सहित अनेक वक्ताओं ने साध्वी भगवंत का स्वागत कर अपने श्रद्धाभाव व्यक्त किए। कार्यक्रम में ट्रस्टी मीठालाल संखलेचा, बगदावरमल हरण, शिवराज भंडारी, मनोहरमल, रतनचंद संखलेचा, मूलचंद श्रीश्रीमाल, मीठालाल सालेचा, सुरेशकुमार पटियाट, सुरेशकुमार कटारिया सिंघवी, रमेशकुमार संखलेचा, नरपतराज बागरेचा, खीमराज पटवारी, दाड़मचंद जैन, हेमराज शाहजी, लकमीचंद बाफना, पदमराज भंडारी, राजेन्द्र चौपड़ा, पी. रमेशकुमार संखलेचा, किशोर संखलेचा, हरीश गुलेच्छा, हितेश सदानी सहित मदुरै के विभिन्न जैन संघों, संस्थाओं एवं मंडलों के गणमान्य श्रावक-श्राविकाएँ उपस्थित रहे।

भारतीय जैन मिलन, जयपुर शाखा की नवीन कार्यकारिणी का गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारतीय जैन मिलन, जयपुर शाखा द्वारा संघीजी का मंदिर, सांगानेर में नवीन कार्यकारिणी के गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। समारोह में समाज के वरिष्ठजन, गणमान्य अतिथि तथा बड़ी संख्या में जैन समाज के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष वीर सुरेन्द्र जैन (दिल्ली), राष्ट्रीय प्रचार मंत्री वीर संजय जैन, क्षेत्रीय अध्यक्ष वीर प्रकाश जैन पाटनी (अजमेर) तथा क्षेत्रीय मंत्री वीर विजय पोखरना की विशेष उपस्थिति रही। अतिथियों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाते हुए सेवा, संस्कार, समर्पण और संगठन की भावना से समाजहित में कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर भारतीय जैन मिलन, जयपुर शाखा की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इसमें वीर अनिल जैन को शाखा अध्यक्ष तथा वीर ऋषि जैन को शाखा सचिव नियुक्त किया गया। महिला संभाग की नई कार्यकारिणी में वीरांगना अनीता जैन को महिला संभाग अध्यक्ष, वीरांगना अनीता बारदार को महिला संभाग सचिव तथा वीरांगना सुनीता जैन को कार्यकारी अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। समारोह में वीर विनय पाटनी, वीर सी.पी. कटारिया, वीरांगना सुनीता गंगवाल एवं वीरांगना संतोष पोखरना सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों एवं समाज के प्रबुद्धजनों ने भाग लिया। सभी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का अभिनंदन करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि नई कार्यकारिणी भारतीय जैन मिलन के सेवा, संस्कार और सामाजिक समर्पण के उद्देश्यों को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाएगी। नवनियुक्त अध्यक्ष वीर अनिल जैन ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जैन मिलन का उद्देश्य केवल संगठन का विस्तार करना नहीं, बल्कि जैन समाज में एकता, संस्कार, सेवा, धार्मिक चेतना और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करना है। उन्होंने बताया कि वर्षभर जैन संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण, युवा एवं महिला सशक्तिकरण, प्रतिभा सम्मान, धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन, तीर्थ एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम, स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर, पर्यावरण संरक्षण, जीवदया तथा जरूरतमंद समाजबंधुओं की सहायता जैसे विभिन्न सेवा प्रकल्प संचालित किए जाएंगे। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से संगठन से जुड़कर समाजहित, धर्महित और राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। समारोह के पश्चात सभी अतिथियों एवं समाजबंधुओं के लिए स्नेहिल सहभोज का आयोजन किया गया। आत्मीयता, सौहार्द और सामाजिक एकता से परिपूर्ण यह आयोजन सभी के लिए प्रेरणादायी एवं अविस्मरणीय रहा। ''सेवा-संस्कार-समर्पण-जैन एकता'' के मूल मंत्र के साथ भारतीय जैन मिलन, जयपुर शाखा समाज एवं राष्ट्रहित में निरंतर समर्पित भाव से कार्य करती रहेगी।

एसबीआई जैन बैंकर्स का सामाजिक सरोकार कार्यक्रम सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। मीरा मार्ग स्थित आदिनाथ भवन में एसबीआई जैन बैंकर्स द्वारा सामाजिक सरोकार विषयक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज सेवा की भावना को प्रोत्साहित करना तथा बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े सदस्यों को सामाजिक दायित्वों के प्रति प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ हुआ। इसके पश्चात सभी बैंकर्स ने अपना परिचय देते हुए अपने जीवन के अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में असीमित क्षमता निहित होती है। यदि उस क्षमता का उपयोग समाजहित के कार्यों में किया जाए तो न केवल प्रमाद का नाश होता है, बल्कि आत्मकल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि सेवा और दान के माध्यम से मिलने वाला आत्मिक सुख जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी बैंकर्स ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, जरूरतमंदों की सहायता तथा अन्य सामाजिक क्षेत्रों में अपनी-अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए समाजहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन रुचि पाटनी ने किया, जबकि संयोजन भागचंद जैन ने संभाला। इस अवसर पर ज्ञानेंद्र जैन, अशोक सोगानी, सुनील काला, एम.पी. जैन, एन.सी. जैन, सुभाष जैन, मुकेश जैन, धनुकुमार जैन, अशोक पाटनी, सन्मति प्रकाश, संजय सेठी, एम.एल. जैन, पवन काला, सुभाष शाह सहित अनेक एसबीआई जैन बैंकर्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन समाज सेवा के प्रति निरंतर समर्पित रहने के संकल्प के साथ हुआ।

नि:शुल्क ज्योतिष एवं चिकित्सा शिविर में डॉ. अशोक दुबे सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। भगवान परशुराम राष्ट्रीय पंडित परिषद ट्रस्ट एवं श्री साईनाथ सेवा धाम समिति के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को श्री साई बाबा मंदिर, सवानंद पार्क, सिंधी कॉलोनी, राजा पार्क में एकदिवसीय नि:शुल्क ज्योतिष परामर्श एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं आमजन ने भाग लेकर सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में श्री त्रिकाल ज्योतिषम् के संस्थापक ज्योतिषाचार्य पं. ओ.पी. शास्त्री के नेतृत्व में जयपुर के प्रतिष्ठित ज्योतिषाचार्यों एवं विद्वानों ने जन्मकुंडली, फलादेश, वास्तुशास्त्र, हस्तरेखा तथा अंक ज्योतिष के आधार पर नि:शुल्क परामर्श प्रदान किया। श्रद्धालुओं को उनकी जन्मकुंडली में ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का विश्लेषण कर सरल एवं व्यवहारिक उपाय भी बताए गए। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक परनामी, श्री साईनाथ सेवा धाम समिति के सदस्य एवं निवर्तमान पार्षद घनश्याम चंदलानी तथा ज्योतिषाचार्य पं. ओ.पी. शास्त्री ने समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. अशोक दुबे का सम्मान किया। शिविर में आमजन के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था भी की गई, जिसका लोगों ने उत्साहपूर्वक लाभ उठाया। आयोजन के दौरान सैकड़ों लोगों ने शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण, ज्योतिष परामर्श एवं अन्य सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के सेवा कार्यों का उद्देश्य समाज के अधिकाधिक लोगों तक नि:शुल्क परामर्श एवं स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना तथा जनकल्याण की भावना को सशक्त करना है।

अतिशय क्षेत्र देहरा तिजारा में आचार्य विमर्श सागर महाराज ससंघ का भव्य चातुर्मासिक मंगल प्रवेश

'देहरा तिजारा जैन समाज की आन-बान-शान ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारतवर्ष की पहचान है' : आचार्य विमर्श सागर महाराज

तिजारा/देहरा (संजय जैन बड़जात्या)। श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र देहरा तिजारा में वाणी भूषण भावलिंगी संत आचार्य श्री विमर्श सागर महाराज का 31 पिच्छिका ससंघ वर्ष 2026 के चातुर्मास के लिए रविवार को अपार श्रद्धा, उल्लास और भक्तिमय वातावरण के बीच भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनने के लिए दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालु देहरा तिजारा पहुंचे। क्षेत्र के व्यवस्थापक संजय जैन ने बताया कि नगर के प्रवेश द्वार से भव्य शोभायात्रा प्रारंभ हुई, जिसमें बैंड-बाजों की मधुर स्वर लहरियां, आकर्षक झांकियां, धर्मध्वजाएं और जयघोष पूरे वातावरण को धर्ममय बना रहे थे। नगर के प्रमुख मार्गों को रंग-बिरंगे तोरणद्वारों एवं स्वागत द्वारों से सजाया गया था। मार्गभर श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्य मंदिर परिसर में 108 पात्रों से विधि-विधानपूर्वक पाद प्रक्षालन का आयोजन हुआ, जिसने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

मुख्य समारोह विशाल पंडाल में दीप प्रज्ज्वलन, चित्र अनावरण तथा बालक-बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ प्रारंभ हुआ। ''जिनागम पंथ जयवंत हो'' और भगवान चंद्रप्रभु के जयघोषों से पूरा परिसर गुंजायमान हो उठा। देहरा तिजारा प्रबंधकारिणी समिति की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं, अनुशासन और समर्पण की उपस्थित जनसमूह ने सराहना की। समिति अध्यक्ष मुकेश जैन तिजारा ने स्वागत उद्बोधन में सभी श्रद्धालुओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि यह चातुर्मास क्षेत्र के आध्यात्मिक उत्थान का स्वर्णिम अवसर है। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन कवि कमलेश बसंत, अभिषेक जैन एवं निर्मल जैन ने संयुक्त रूप से किया। वर्षायोग समिति के अध्यक्ष सुरेश जैन पटेल ने बताया कि संघ में आचार्य श्री सहित 7 दिगंबर साधु, 18 आर्यिकाएं, 5 क्षुल्लिकाएं एवं 1 क्षुल्लक महाराज विराजमान हैं। क्षेत्र के मंत्री नरेंद्र जैन ने बताया कि अपने प्रेरणादायी प्रवचन में आचार्य श्री विमर्श सागर महाराज ने कहा, ''देहरा तिजारा केवल जैन समाज की आन-बान-शान ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारतवर्ष की पहचान है। यह अतिशय क्षेत्र अनंत श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है, जहां भगवान चंद्रप्रभु की अनुकम्पा का अनुभव प्रत्येक भक्त करता है।'' आचार्य श्री ने कहा कि चातुर्मास केवल चार माह एक स्थान पर निवास करने का नाम नहीं, बल्कि आत्मपरिवर्तन, संयम, स्वाध्याय, तप, त्याग और संस्कारों के जागरण का महापर्व है। यदि व्यक्ति क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे आंतरिक शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर ले, तो उसका जीवन स्वयं एक तीर्थ बन जाता है। उन्होंने कहा कि धर्म केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि वह हमारे व्यवहार, परिवार और संस्कारों में भी दिखाई देना चाहिए। वर्तमान समय में समाज को चरित्र निर्माण, पारिवारिक एकता और नई पीढ़ी को धर्म से जोड़ने की सबसे अधिक आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति, जैन दर्शन और नैतिक मूल्यों को भी अपने जीवन में अपनाएं। समारोह के अंत में हजारों श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री के दर्शन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे देहरा तिजारा क्षेत्र में दिनभर धर्म, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने इसे क्षेत्र के धार्मिक इतिहास का एक अविस्मरणीय और ऐतिहासिक चातुर्मासिक मंगल प्रवेश बताया।

युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी एवं साधु-साध्वीवृंद के चातुर्मास मंगल प्रवेश पर उमड़ा श्रद्धा, भक्ति और आस्था का विराट जनसैलाब

वस्त्रनगरी भीलवाड़ा बनी धर्मनगरी, हजारों श्रद्धालुओं की साक्षी में शांतिभवन पहुंचा चातुर्मास मंगल प्रवेश

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

वस्त्रनगरी भीलवाड़ा रविवार को श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना के अनुपम संगम की साक्षी बनी, जब श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी म.सा. के सान्निध्य में साधु-साध्वीवृंद का भव्य चातुर्मास मंगल प्रवेश शांतिभवन, भोपालगंज में संपन्न हुआ। भव्य शोभायात्रा में हजारों श्रावक-श्राविकाओं ने अनुशासित भाव से सहभागिता निभाई और पूरे शहर में धर्ममय वातावरण छा गया। युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी म.सा. के साथ हितमित भाषी हितेन्द्र ऋषिजी, तपस्वी धवल ऋषिजी, महक ऋषिजी, यशोदिप्ती मधुकंवरजी, उपप्रवर्तिनी दिव्यज्योतिजी, मधुर व्याख्यानी सुचेताजी तथा साध्वी पियूष दर्शनाजी सहित साधु-साध्वीवृंद का श्रद्धालुओं ने भव्य स्वागत किया। शांतिभवन श्रीसंघ के संरक्षक नवरतन बंब, अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद चीपड़, चातुर्मास संयोजक कंवरलाल सूरिया एवं मदनलाल चौरड़िया, मंत्री नवरतनमल भलावत, सुशील चपलोत, नरेन्द्र भंडारी, मीठ्ठालाल सिंघवी, आनंद चपलोत, महावीर नवयुवक मंडल सेवा संस्थान के संरक्षक बाबूलाल सूरिया, अध्यक्ष मनीष कोठारी, हुक्मीचंद खटोड़, शोभायात्रा संयोजक अनुराग नाहर, जयप्रकाश आंचलिया, जितेन्द्र काठेड़, नवीन नाहर तथा शांति जैन महिला मंडल की अध्यक्ष सिम्मी पोखरना, चंदा कोठारी, प्रमिला कोटिचा एवं मंजू खटवड़ सहित समाज के पदाधिकारियों, कार्यकताओं और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने युवाचार्यश्री एवं साधु-साध्वीवृंद की अगवानी की। इस अवसर पर मेवाड़ गौरव रविन्द्र मुनिजी म.सा., सेवाभावी महासती ज्ञानकंवरजी म.सा. तथा सांसद दामोदर अग्रवाल भी उपस्थित रहे। शांतिभवन के मंत्री नवरतनमल भलावत ने बताया कि प्रातः वर्धमान कॉलोनी स्थित अंबेश स्वाध्याय भवन से प्रारंभ हुई मंगल प्रवेश यात्रा माणिक्य नगर, महाराणा टॉकीज, नेहरू रोड, नेताजी सुभाष मार्केट एवं गोल प्याऊ चौराहा होते हुए शांतिभवन पहुंची। धर्मध्वजाओं, मंगल कलशों, नवकार मंत्र की मंगलध्वनि और जयघोषों से पूरा नगर धर्ममय हो उठा। धर्मसभा को संबोधित करते हुए युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी म.सा. ने कहा कि किसी भी आध्यात्मिक यात्रा का वास्तविक महत्व उसके भव्य आरंभ में नहीं, बल्कि उसके निरंतर पुरुषार्थ में निहित होता है। समाज ने जिस श्रद्धा, उत्साह और समर्पण के साथ चातुर्मास मंगल प्रवेश को सफल बनाया है, वही भावना आगामी चार माह तक साधना, आराधना, स्वाध्याय और आत्मानुशासन के रूप में बनी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक महान संकल्प की सफलता उसके शुभारंभ से अधिक उसे निरंतर आगे बढ़ाने वाले पुरुषार्थ पर निर्भर करती है। धर्म धैर्य, संयम और सतत साधना का मार्ग है। सत्य, आत्मचिंतन और सदाचार की दिशा में उठाया गया प्रत्येक कदम जीवन को नई ऊर्जा प्रदान करता है। युवाचार्यश्री ने कहा कि भीलवाड़ा से उनका आत्मीय जुड़ाव रहा है और इसी विश्वास के कारण इस वर्ष का चातुर्मास भीलवाड़ा को प्रदान किया गया है। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि मंगल प्रवेश का उत्साह केवल समारोह तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक परिवार और प्रत्येक हृदय में चार माह तक साधना और धर्मचेतना के रूप में जीवंत बना रहे। उन्होंने कहा कि वे केवल चातुर्मास करने नहीं, बल्कि समाज को साधना, आराधना, स्वाध्याय और आध्यात्मिक जागरण की दिशा में प्रेरित करने आए हैं। यदि इन चार महीनों में प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में संयम, आत्मचिंतन और धर्ममय आचरण को स्थान देता है, तो यही चातुर्मास की वास्तविक सार्थकता होगी। कार्यक्रम के दौरान श्रीसंघ के पदाधिकारियों एवं अखिल भारतीय जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वहीं नई दिल्ली स्थित अरिहंत नगर से आए प्रतिनिधिमंडल ने युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी म.सा. से वर्ष 2027 के चातुर्मास के लिए विनम्र निवेदन प्रस्तुत किया। समारोह का समापन मंगलकामना के साथ हुआ। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में संपन्न यह चातुर्मास मंगल प्रवेश भीलवाड़ा के धार्मिक इतिहास के महत्वपूर्ण आयोजनों में शामिल हो गया।

पंचतीर्थ जिनालय में भगवान नेमीनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। बापू नगर स्थित पंडित टोडरमल स्मारक भवन के पंचतीर्थ जिनालय में गिरनार सिद्ध क्षेत्र की रचना पर विराजित भगवान नेमीनाथ की भव्य खड्गासन प्रतिमा के समक्ष सीमंधर जिनालय ग्रुप के तत्वावधान में भगवान नेमीनाथ का महामंगलकारी मोक्ष कल्याणक महोत्सव श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हीराचंद बैद के सान्निध्य में भगवान नेमीनाथ के जलाभिषेक से हुआ। इस दौरान मुकेश जैन, कैलाश बक्शी, अश्विनी कुमार, मयंक बैद, हीराचंद बैद सहित अन्य श्रावकों ने विधि-विधानपूर्वक अभिषेक कर पुण्यार्जन किया। इसके पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से निर्वाण कांड भाषा का पाठ किया तथा मोक्ष कल्याणक के अर्घ्य अर्पित किए। मयंक बैद के निर्देशन में श्रद्धालुओं ने निर्वाण श्रीफल समर्पित किया। इस दौरान ''भगवान नेमीनाथ स्वामी की जय'' के जयघोषों से पूरा जिनालय भक्तिमय वातावरण में गूंज उठा। महोत्सव में महिला श्रद्धालुओं ने अष्टद्रव्य से भगवान की विधिवत पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम में आभा बज, रूपा बड़जात्या, सुलेखा जैन, कमलेश बाकलीवाल, रेखा संघी, मीनू टोंग्या, सरला संघी, निशा जैन तथा राजेश बक्शी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

धार्मिक आयोजन समाज में प्रेम, सद्भाव और एकता का संदेश देते हैं : रणबीर गंगवा

हिसार (हरियाणा)/राजेश सलूजा। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने रविवार को मिलगेट स्थित हनुमान कॉलोनी के श्री बालाजी इच्छापूर्ण मंदिर में आयोजित भव्य जागरण एवं भंडारे में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने श्री बालाजी महाराज के दर्शन-पूजन कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाली की कामना की। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने श्रद्धालुओं के साथ भक्ति-भाव से भजन-कीर्तन में सहभागिता की तथा भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर उपस्थित लोगों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक चेतना का संचार होता है और लोगों के बीच आपसी भाईचारा, सामाजिक समरसता तथा पारस्परिक विश्वास मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ-साथ समाज में प्रेम, सद्भाव, सेवा और एकता की भावना को भी सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

टाटा सिएरा इलेक्ट्रिक का उदयपुर में शानदार आगाज

600 किमी से अधिक रेंज के साथ भविष्य की ड्राइव का अनुभव

उदयपुर. शाबाश इंडिया

टाटा मोटर्स के अधिकृत डीलर एसपी ऑटो मोटिव के मादड़ी स्थित शोरूम में शनिवार को नई टाटा सिएरा इलेक्ट्रिक कार का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) उदयपुर के अध्यक्ष डॉ. आनंद गुप्ता ने वाहन का अनावरण करते हुए कहा कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पर्यावरण संरक्षण के साथ सुरक्षित और आधुनिक परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। शुभारंभ समारोह में कंपनी के अधिकारियों ने टाटा सिएरा इलेक्ट्रिक की अत्याधुनिक तकनीक और प्रीमियम फीचर्स की जानकारी देते हुए बताया कि यह कार एक बार पूर्ण चार्ज होने पर एमआईडीसी प्रमाणित 600 किलोमीटर से अधिक की रेंज प्रदान करती है। लंबी दूरी की यात्राओं को ध्यान में रखते हुए इसमें 120 किलोवाट डीसी फास्ट चार्जिंग तकनीक दी गई है, जिसकी मदद से वाहन मात्र 15 मिनट की चार्जिंग में लगभग 263 किलोमीटर तक चलने योग्य ऊर्जा प्राप्त कर लेता है। नई सिएरा इलेक्ट्रिक में हेड-अप डिस्प्ले, 540 डिग्री सराउंड कैमरा, 12 स्पीकर वाला जेबीएल ऑडियो सिस्टम, डॉल्बी एटमॉस साउंड, लेवल-2 प्लस एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस), तीन स्क्रीन वाला आधुनिक इंफोटेनमेंट सेटअप तथा पैनोरमिक सनरूफ जैसी कई प्रीमियम सुविधाएं शामिल की गई हैं, जो इसे अपने सेगमेंट की अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक एसयूवी बनाती हैं। एसपी ऑटो मोटिव के प्रतिनिधियों ने बताया कि टाटा सिएरा इलेक्ट्रिक की शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत 18.79 लाख रुपये रखी गई है और वाहन की बुकिंग एवं डिलीवरी मादड़ी स्थित शोरूम से शुरू कर दी गई है। लॉन्च समारोह में बड़ी संख्या में ग्राहक, ऑटोमोबाइल प्रेमी और शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने नई सिएरा इलेक्ट्रिक के आकर्षक डिजाइन, आधुनिक तकनीक, शानदार रेंज और उन्नत सुरक्षा सुविधाओं की सराहना करते हुए इसे भविष्य की स्मार्ट मोबिलिटी का मजबूत विकल्प बताया।

रिपोर्ट/फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप का जल सेवक मिलन समारोह एवं सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न

जल सेवकों व विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले सदस्यों का सम्मान, 108 दीपों से हुई भगवान महावीर स्वामी की आराधना

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, गंगापुर सिटी द्वारा रेलवे स्टेशन पर पिछले ढाई माह से संचालित निःशुल्क जल सेवा अभियान के समापन अवसर पर रविवार को नसियांजी स्थित दिगंबर जैन मंदिर में 'जल सेवक मिलन समारोह' एवं सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में जल सेवा से जुड़े स्वयंसेवकों, समाजसेवियों तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाले सदस्यों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महावीर स्वामी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन, मंगलाचरण एवं सामूहिक णमोकार मंत्र पाठ के साथ हुआ। इसके बाद जल सेवा अभियान में उल्लेखनीय योगदान देने वाले जल सेवकों का तिलक, दुपट्टा, माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम संयोजक धर्मेंद्र जैन पांड्या एवं दीपेंद्र जैन पाटनी ने बताया कि श्री महावीरजी रेलवे स्टेशन परिसर में भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा स्थापना में विशेष सहयोग देने वाले रेलवे के एक्सईएन अनिल कुमार जैन का सम्मान किया गया। इसके साथ ही होम्योपैथी चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. मानव जैन, मुख्य अतिथि वर्धमान हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. मनोज जैन एवं डॉ. सुलेखा जैन, तथा विशिष्ट अतिथि दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष प्रवीण जैन गंगवाल का भी अभिनंदन किया गया। समारोह में हाल ही में रेलवे सेवा से सेवानिवृत्त हुए प्रवीण कुमार जैन (सहायक मंडल अभियंता) का सम्मान किया गया। वहीं आगामी 31 जुलाई को सेवानिवृत्त होने जा रहे ग्रुप के अध्यक्ष नरेंद्र जैन 'नृपत्या' का भी भावपूर्ण अभिनंदन किया गया।

'एक पौधा, एक परिवार के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री मुल्तान दिगंबर जैन महिला मंडल, आदर्श नगर द्वारा रविवार को श्री मुल्तान दिगंबर जैन मंदिर परिसर में 'प्रोजेक्ट हरियाली-2026' के अंतर्गत 'एक पौधा, एक परिवार के नाम' थीम पर वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान का सफल आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित एवं स्वच्छ वातावरण का निर्माण करना रहा। महिला मंडल की अध्यक्ष मधु जैन ने बताया कि कार्यक्रम में जयपुर नगर निगम हेरिटेज की सभापति एवं पार्षद ऋतु मोटवानी, उनके पति किशोर मोटवानी तथा उनकी टीम ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराकर अभियान का उत्साहवर्धन किया। महिला मंडल की मंत्री नम्रता जैन ने बताया कि अभियान में समाज के 125 से अधिक सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेष बात यह रही कि छह माह के शिशु से लेकर 87 वर्ष तक के वरिष्ठ नागरिकों ने भी वृक्षारोपण में सहभागिता निभाई। प्रत्येक परिवार ने अपने परिजनों और मित्रों के साथ पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा प्रकृति के साथ यादगार पल बिताए। अभियान की स्मृति स्वरूप श्री मुल्तान दिगंबर जैन महिला मंडल की ओर से प्रत्येक परिवार को एक सुंदर पौधे का गमला भेंट किया गया, जिसे सभी ने प्रसन्नता के साथ स्वीकार किया। इस अवसर पर मंदिर उद्यान एवं मंदिर परिसर के बाहर व्यापक स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। श्रद्धालुओं एवं महिला मंडल की सदस्यों ने परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया। कार्यक्रम के अंत में महिला मंडल की पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण, हरियाली संवर्धन और स्वच्छता के इस अभियान को भविष्य में भी निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। उपस्थित सभी लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का संदेश देते हुए पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया।